■ वैशाख शुक्ल - 12 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 280 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 10-05-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 उन्नत खेती ही बनेगी उनकी समृद्धि का आधार : बंगा

6 जब पानी भी हथियार बन जाए : भारत की एकता पर डाका

7 कंगना रनौत बनेंगी हॉलीवुड की 'हॉरर क्वीन'

फर्स्ट टेक

38 माओवादियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले में शुक्रवार को पुलिस के समक्ष पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के प्रतिबंधित संगठन भाकपा (माओवादी) के कुल 38 सदस्यों ने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस वर्ष जनवरी से अब तक 265 माओवादियों ने भद्राद्री कोठागुडेम जिला पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। इसमें कहा गया है कि विभिन्न कैडर के 38 माओवादियों ने नक्सलवाद का रास्ता छोड़ने और अपने परिवार के सदस्यों के साथ शांतिपूर्ण जीवन जीने का फैसला किया है।

ट्रंप ने चीन पर शुल्क को घटाकर 80 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा

वॉशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर लगे सीमा शुल्क को घटाकर 80 प्रतिशत करने का शुक्रवार को प्रस्ताव रखा है। इसे दोनों देशों के बीच छिड़े व्यापार युद्ध को कम करने वाले कदम के रूप में देखा जा रहा है। दोनों देशों के बीच सप्ताहांत में होने वाली बैठक से पहले शुल्क में कटौती का यह कदम उठाया गया है। अमेरिकी के शीर्ष अधिकारी इस सप्ताह के अंत में स्विट्जरलैंड में चीन के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक करने वाले हैं। व्यापार युद्ध शुरू होने के बाद दोनों देशों के बीच यह पहली बड़ी वार्ता होगी। आयात पर उच्च शुल्क लगाने के ट्रंप के फैसले के बाद चीन ने भी जवाबी कदम उठाए और दोनों देशों के बीच व्यापार युद्ध जैसी स्थिति बन गई।

भारत-पाक तनाव के बीच आईपीएल स्थगित

नई दिल्ली/भाषा। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते सैन्य टकराव के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को शुक्रवार को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया और बीसीसीआई ने कहा कि जब देश आतंकी हमले का जवाब देने के साथ सरहद पार से अनुचित आक्रमण का सामना कर रहा है, ऐसे में राष्ट्रहित सर्वोपरि है । जम्मू और पठानकोट में हवाई हमले की चेतावनी के बाद धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच गुरुवार का मैच बीच में ही रद्द होने के बाद से मौजूदा आईपीएल के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे थे। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक विज्ञप्ति में कहा ,''बीसीसीआई ने आईपीएल के बाकी मैच तुरंत प्रभाव से एक सप्ताह के लिये स्थगित करने का फैसला किया है ।'' पहले यह बताया गया था कि आईपीएल अनिश्चितकाल के लिये स्थगित कर दिया गया है ।

10-05-2025 सूर्यास्त 6:25 बजे | 11-05-2025 सूर्योदय 5:44 बजे

BSE	NSE
79,454.47	24,008.00
(-880.34)	(-265.80)

सोना	चांदी
101,137 रु.	111,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सुनो पाकिस्तान...

अब कुछ भी ना होने वाला,
बर्बाद तुम्ही बस होओगे।
काटोगे फसल दुश्मनी की,
नफरत के बीज जो बोओगे।
अपने कर्मों से ही अपनी,
बाकी इज्जत भी खोओगे।
इतना मारेंगे अब तुमको,
घुटनों पर सिर रख रोओगे।।

श्रीनगर हवाई अड्डे पर संदिग्ध ड्रोन हमला, जवाबी कार्रवाई शुरू

शुक्रवार शाम को जम्मू क्षेत्र और दक्षिण कश्मीर में विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं और सायरन बजने लगे, तथा जम्मू-कश्मीर के कई हिस्से अंधेरे में डूब गए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- **जम्मू, सांबा और पड़ोसी पंजाब के पठानकोट जिले में भी ड्रोन देखे गए और उन्हें मार गिराया गया**

श्रीनगर/भाषा। श्रीनगर हवाई अड्डे पर शुक्रवार रात संदिग्ध ड्रोन हमला हुआ जिसके बाद जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यह हमला ऐसे समय हुआ है जब एक दिन पहले ही भारत ने पाकिस्तानी सेना द्वारा ड्रोन और मिसाइलों के जरिए भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने के प्रयास को विफल कर दिया था।

अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले शाम को जम्मू क्षेत्र और दक्षिण कश्मीर में विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं और सायरन बजने लगे, तथा जम्मू-कश्मीर के कई हिस्से अंधेरे में डूब गए।

रक्षा अधिकारियों ने बताया कि जम्मू, सांबा और पड़ोसी पंजाब के पठानकोट जिले में भी ड्रोन देखे गए और उन्हें मार गिराया जा रहा है।

श्रीनगर में मस्जिदों के लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल कर कहा गया कि स्थानीय लोग एहतियात के तौर पर अपने घरों की लाइटें बंद रखें ।

दक्षिण कश्मीर में अवंतीपुरा एयरबेस के आसपास के इलाकों में विस्फोटों की आवाज सुनी गई।

अधिकारियों ने बताया कि जम्मू के उधमपुर और नगरोटा में भी ड्रोन देखे गए।

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा मंगलवार देर रात 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए थे।

जैसलमेर में पाकिस्तान के ड्रोन को वायु रक्षा प्रणालियों ने हवा में रोककर नष्ट कर दिया

जैसलमेर/भाषा। राजस्थान के जैसलमेर में शुक्रवार को लगातार दूसरी रात पाकिस्तान से आने वाले ड्रोन को रोका गया और वायु रक्षा प्रणालियों ने हवा में रोककर नष्ट कर दिया।

सूत्रों ने बताया कि इस खतरे के बाद सुरक्षाबलों ने रेड अलर्ट जारी किया और कई सीमावर्ती जिलों में व्यापक ब्लैकआउट कर दिया, जिससे निवासियों में दहशत फैल गई। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान से लॉन्च किए गए ड्रोन को भारत की वायु रक्षा प्रणालियों ने हवा में ही रोककर नष्ट कर दिया।

हमलों के तुरंत बाद, पोकरण में सायरन बजने लगे और एहतियात के तौर पर पूरे क्षेत्र में पूर्ण ब्लैकआउट कर दिया गया। हमले के बाद, जोधपुर में आधी रात को शुरू होने वाला ब्लैकआउट को शुक्रवार को तुरंत पूरे शहर में लागू कर दिया गया। रेट अलर्ट को बाड़मेर, श्रीगंगानगर, फलोदी और जोधपुर तक बढ़ा दिया गया और इन जिलों में इसी तरह के ब्लैकआउट लागू किए गए।

जम्मू कश्मीर में सीमा पर पाकिस्तानी गोलाबारी में तीन की मौत

बीएसएफ ने घुसपैठ की बड़ी कोशिश की नाकाम, सात आतंकवादी मार गिराये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/श्रीनगर/भाषा। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद जम्मू-कश्मीर की अशांत सीमा पर पाकिस्तान की ओर से लगातार तीसरे दिन भी भारी गोलाबारी जारी रही, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। इसी के साथ, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को विफल करते हुए सात आतंकवादियों को मार गिराया।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला शुक्रवार को सबसे बड़े पाकिस्तानी ड्रोन हमले के बाद की स्थिति का जायजा लेने के लिए श्रीनगर से जम्मू पहुंचे, जबकि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गोलाबारी प्रभावित उरी सेक्टर का दौरा किया।

शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ की प्रधानमंत्री ने बैठक की अध्यक्षता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने के लिए शीर्ष रक्षा नेतृत्व के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

भारत और पाकिस्तान में बढ़ते तनाव के बीच मोदी ने भविष्य की रणनीति बनाने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, तीनों सेनाओं के प्रमुखों और प्रमुख रक्षा अध्यक्ष के साथ बैठक की।

भारतीय प्रतिष्ठानों को 8 और 9 मई की मध्य रात्रि को निशाना बनाने के पाकिस्तानी प्रयासों का सशस्त्र बलों द्वारा आनुपातिक और पर्याप्त रूप से जवाब दिए जाने के साथ ही पाकिस्तान के साथ संघर्ष तीव्र हो गया है।

भारत ने पाकिस्तान को आईएमएफ के नए ऋण का विरोध किया, मतदान से रहा दूर

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने शुक्रवार को पाकिस्तान को 2.3 अरब अमेरिकी डॉलर का नया ऋण देने के आईएमएफ के प्रस्ताव का विरोध किया और कहा कि इस धन का दुरुपयोग राज्य प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए किया जा सकता है।

भारत इस संबंध में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की महत्वपूर्ण बैठक में मतदान से दूर रहा। मतदान के नतीजे की जानकारी खबर लिखे जाने तक नहीं मिल सकी थी।

भारत ने एक जिम्मेदार सदस्य देश के रूप में पाकिस्तान के पिछले खराब रिकॉर्ड को देखते हुए आईएमएफ कार्यक्रमों पर चिंता जताई।

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान को मिलने वाली इस धनराशि का इस्तेमाल राज्य प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए किया जा सकता है।

वित्तारित निधि सुविधा (ईएफएफ) ऋण कार्यक्रम की समीक्षा करने के लिए आईएमएफ बोर्ड की शुक्रवार को बैठक हुई, जिसमें भारत ने अपना विरोध दर्ज कराया।

भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के लिए

पाकिस्तान ने तुर्किये के ड्रोन का इस्तेमाल किया : सेना

- **पाकिस्तान अपने नागरिक विमानों को ''ढाल'' के रूप में इस्तेमाल कर रहा**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार की रात भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने, वायु रक्षा प्रणालियों और खुफिया जानकारी इकट्ठा करने के लिए तुर्की के ड्रोन का इस्तेमाल किया और हमले के दौरान अपने असैन्य हवाई क्षेत्र को खुला रखा, जिससे नागरिक उड़ानें खतरे में पड़ गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी और वायु सेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बताया कि ज्यादातर ड्रोन को 'काइनेटिक' और 'नॉन-काइनेटिक' तकनीक का इस्तेमाल करके गिराया गया।

दोनों सैन्य अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तान ने अपने नागरिक विमानों को ''ढाल'' के रूप में इस्तेमाल किया, क्योंकि उसने सात मई को भारतीय प्रतिष्ठानों पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला करने के प्रयासों के दौरान अपने नागरिक हवाई क्षेत्र को बंद नहीं किया, क्योंकि उसे अच्छी तरह से पता था कि इन हमलों का भारत की ओर से त्वरित जवाब मिलेगा। सिंह ने कहा, 8-9 मई की रात को पाकिस्तान ने भारतीय हवाई क्षेत्र का बड़े पैमाने पर उल्लंघन किया और लेह से सर क्रीक तक 36 स्थानों पर 300-400 ड्रोन से सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा, भारतीय बलों ने 'काइनेटिक' और 'नॉन-काइनेटिक' तकनीक का उपयोग करके कई ड्रोन को निष्क्रिय कर दिया। बठिंडा पर एक सशस्त्र यूएवी हमले को भी विफल कर दिया गया।''

विंग कमांडर ने कहा कि भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए चार पाकिस्तानी वायु रक्षा ठिकानों पर ड्रोन हमले किए, जिसमें एक रडार नष्ट हो गया। सिंह ने कहा कि बड़े पैमाने पर पाकिस्तानी कार्रवाई का संभावित'' उद्देश्य वायु रक्षा प्रणालियों की पड़ताल करना और खुफिया जानकारी इकट्ठा करना था। उन्होंने कहा, ड्रोन के मलबे की फोरेंसिक जांच की जा रही है। प्रारंभिक रिपोर्ट से पता चलता है कि यह तुर्किये का असिसगार्ड सोंगर ड्रोन है।

उन्होंने कहा, पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा के पार तोपखाने और ड्रोन हमलों को बढ़ाया, जिससे लोग हताहत हुए। चिंताजनक बात यह है कि हमले के दौरान पाकिस्तान ने अपना नागरिक हवाई क्षेत्र खुला रखा, जिससे नागरिक उड़ानें खतरे में पड़ गईं। पाकिस्तानी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के चार वायु रक्षा स्थलों पर सशस्त्र ड्रोन से कार्रवाई की।

सिंह ने कहा, एक ड्रोन वायु रक्षा रडार को नष्ट करने में सक्षम था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के कंधन, उरी, पुंछ, मेंढर, राजौरी, अकुर और उधमपुर में भारी क्षमता वाली तोपों और सशस्त्र ड्रोन का इस्तेमाल करते हुए नियंत्रण रेखा पर गोलाबारी की, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय सेना के कुछ जवान घायल हुए। उन्होंने कहा, भारत की ओर से जवाबी गोलीबारी में पाकिस्तानी सेना को भी भारी नुकसान हुआ।

कुरैशी ने कहा, इसके अतिरिक्त, पाकिस्तान का गैरजिम्मेदाराना रवैया फिर से सामने आया, क्योंकि पाकिस्तान ने सात मई को एक नाकाम और बिना किसी कारण के ड्रोन और मिसाइल हमला करने के बावजूद अपने नागरिक हवाई क्षेत्र को बंद नहीं किया। उन्होंने कहा, पाकिस्तान नागरिक विमानों को ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, जबकि वह अच्छी तरह जानता है कि भारत पर उसके हमले से हवाई रक्षा के लिए त्वरित प्रतिक्रिया मिलेगी।

देश के 24 हवाई अड्डे 15 तक नागरिक उड़ानों के लिए बंद

नई दिल्ली/भाषा। श्रीनगर और चंडीगढ़ समेत देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में कम से कम 24 हवाई अड्डों को 15 मई तक नागरिक उड़ानों के लिए बंद कर दिया गया है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पहले, भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के मद्देनजर इन हवाई अड्डों को 10 मई तक नागरिक उड़ानों के लिए बंद कर दिया गया था। एयरलाइन ने शुक्रवार को कहा कि 15 मई तक हवाई अड्डों के अस्थायी रूप से बंद होने के कारण उनकी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। सूत्रों ने कहा कि 15 मई की सुबह पांच बजकर 29 मिनट तक कम से कम 24 हवाई अड्डों को नागरिक उड़ानों के लिए बंद कर दिया गया है। इनमें चंडीगढ़, श्रीनगर, अमृतसर, लुधियाना, भुंटर, किशनगढ़, पटियाला, शिमला, धर्मशाला, बठिंडा, जैसलमेर, जोधपुर, लेह, बीकानेर, पठानकोट, जम्मू, जामनगर और भुज समेत अन्य हवाई अड्डे शामिल हैं।

मुंबई आतंकी हमला:

तहव्वुर राणा को छह जून तक तिहाड़ भेजा गया

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने 26/11 के मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा को शुक्रवार को छह जून तक तिहाड़ जेल भेज दिया। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने राणा की न्यायिक हिरासत अवधि खत्म होने से एक दिन पहले उसे विशेष न्यायाधीश चंद्रजीत सिंह के समक्ष पेश किया था, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मुंबई हमले के मुख्य साजिशकर्ता अमेरिकी नागरिक डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद गिलानी के करीबी सहयोगी राणा को चार अप्रैल को अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय द्वारा भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ उसकी समीक्षा याचिका खारिज करने के बाद भारत लाया गया था। अदालत ने 11 अप्रैल को उसे 18 दिनों के लिए एनआईए की हिरासत में भेज दिया था।

भारत आतंकवाद की चुनौती का सामना कर रहा : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि भारत आतंकवाद की चुनौती का सामना कर रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए एक साझा खतरा है। जयशंकर ने उन लोगों का आभार जताया, जिन्होंने देश के साथ एकजुटता व्यक्त की है और मौजूदा समय में जारी दृढ़ प्रतिक्रिया को समझते हैं।

विदेश मंत्री ने द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर तत्कालीन सोवियत संघ की जीत के 80 साल पूरे होने के मौके पर यहां रूसी दूतावास में आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की।

जयशंकर ने कहा, मुझे 1945 में फासीवाद के खिलाफ युद्ध में जीत की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर आप सभी के साथ शामिल होकर बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने कहा, हम ऐसे समय में मिल रहे हैं, जब भारत आतंकवाद की चुनौती का सामना कर रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए एक साझा खतरा है। मैं उन लोगों का आभार जताता हूं, जिन्होंने हमारे साथ एकजुटता व्यक्त की है और जो मौजूदा समय में जारी दृढ़ प्रतिक्रिया को समझते हैं।

भारत आतंकवादियों के साथ युद्ध की स्थिति में हैं : विनय क्वात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा ने कहा है कि भारत आतंकवादियों के साथ युद्ध की स्थिति में है और इन 'नीचों, अमानवीय राक्षसों' को जवाबदेह ठहराकर पहलगाम हमले के पीड़ितों को न्याय दिलाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कोई भी देश किसी भी हालत में इन आतंकवादियों को खुली छूट नहीं दे सकता। क्वात्रा ने बृहस्पतिवार को सीएनएन को दिए साक्षात्कार में कहा, ''बाईस अप्रैल की घटना सर्वाधिक जघन्य आतंकवादी घटना थी। यह कोई नहीं कह सकता कि इन आतंकवादियों को ऐसे ही जाने देना चाहिए, और हमने परसों यही किया, उन्हें जवाबदेह ठहराया, उन्हें न्याय के कठघरे में खड़ा किया।''

यह साक्षात्कार ऐसे समय में हुआ है जब भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ अपनी कूटनीतिक आक्रामकता बढ़ा दी है। उन्होंने कहा, ''हम आतंकवादियों के साथ युद्ध की स्थिति में हैं और जैसा कि मैंने कहा, हम पीड़ितों को न्याय दिलाएंगे और उन्हें (आतंकियों को) जवाबदेह ठहराएंगे।''

क्वात्रा ने कहा, ''इसमें हमारा सबसे बड़ा उद्देश्य इन नीच, अमानवीय राक्षसों को जवाबदेह ठहराना और पीड़ितों को न्याय दिलाना है।''

सिंधु जल संधि पर हमारी भूमिका सुविधा-प्रदाता से अधिक नहीं : विश्व बैंक प्रमुख

नई दिल्ली/भाषा। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने कहा है कि बहुपक्षीय एजेंसी की भारत और पाकिस्तान के बीच हस्ताक्षरित सिंधु जल संधि में सुविधा प्रदान करने के अतिरिक्त कोई भूमिका नहीं है। सिंधु, झेलम और चिनाब के जल बंटवारे के लिए 1960 में दोनों देशों ने इस संधि पर हस्ताक्षर किए थे।

भारत ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 भारतीयों की हत्या के बाद दशकों पुरानी सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया है।

पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा के हवाले से सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''हमारी भूमिका केवल एक सुविधा-प्रदाता की है। मीडिया में इस बारे में बहुत अटकलें लगाई जा रही हैं कि विश्व बैंक किस तरह से इस समस्या को हल करेगा, लेकिन यह सब बेबुनियाद है। विश्व बैंक की भूमिका केवल एक सुविधा-प्रदाता की है।''

सिन्हा ने पाकिस्तानी गोलाबारी से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए उरी सेक्टर का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को उरी सेक्टर में पाकिस्तानी गोलाबारी से प्रभावित गांवों का दौरा करने के बाद कहा कि सैनिकों का मनोबल ऊंचा है और भारतीय सेना किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि उरी में लोगों को किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।

सिन्हा ने बारामूला में संवाददाताओं से कहा, ''हमले की कोशिशें की गईं लेकिन सुरक्षा बलों का मनोबल बहुत ऊंचा है और वे किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं सीमावर्ती इलाकों के उन गांवों में गया, जहां नुकसान हुआ है। घायलों और मृतकों के परिवारों को अनुग्रह राशि दी गई है। नुकसान का आकलन किया जा रहा है।''

सिन्हा ने कहा कि अतिरिक्त सुरक्षा बंकरों की आवश्यकता है, जिनका निर्माण आने वाले दिनों में किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''घायलों का इलाज किया जा रहा है। मैं उन्हें देखने गया था और सभी की हालत स्थिर है तथा उन्हें जल्द ही छुट्टी दे दी जाएगी।''

इससे पहले, उपराज्यपाल ने उरी में सैनिकों से बातचीत की और राष्ट्र के प्रति उनकी सेवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा, ''राष्ट्र को आप पर सदैव गर्व रहा है। जब भी राष्ट्र को किसी समस्या का सामना करना पड़ा है, आपने सर्वोच्च बलिदान दिया है।''

सिन्हा ने पिछली तीन रातों में नागरिक क्षेत्रों में पाकिस्तानी गोलाबारी से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए उरी सेक्टर के गांवों का भी दौरा किया। उन्होंने प्रशासन को प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत प्रदान करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

सिन्हा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''उरी के लगमा और गिंगल के सीमावर्ती गांवों में पाकिस्तान द्वारा बिना उकसावे के की गई गोलाबारी से नागरिक क्षेत्र और घरों को हुए नुकसान का आकलन किया। मैंने जिला प्रशासन को प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत प्रदान करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।''

उपराज्यपाल ने गिंगल के निवासियों से बातचीत की, जहां सीमा पार से रातभर भारी गोलाबारी हुई।

सिन्हा ने कहा, ''उरी के गिंगल में अपने दौरे के दौरान मैंने वहां के नागरिकों से बातचीत की। उरी के लगमा गांव का दौरा किया और पाकिस्तान की ओर से बिना उकसावे के की गई गोलीबारी से हुए नुकसान का जायजा लिया। पूरा देश प्रभावित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है।''

सीआरपीएफ ने पाकिस्तान के साथ तनाव के मद्देनजर तबादले, प्रशिक्षण स्थगित किए

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने पाकिस्तान के साथ बढ़ते सैन्य तनाव के मद्देनजर सभी स्थानांतरण और नियुक्ति आदेशों को स्थगित कर दिया है तथा अपने कर्मियों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी स्थगित कर दिया है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अर्धसैनिक बल ने अपनी दो दर्जन से अधिक कंपनियों को, जिनमें लगभग 2,400 कर्मी हैं, बीएसएफ और सेना के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए जम्मू-कश्मीर भेजने का निर्देश दिया है।

सूत्रों ने बताया कि बल के मुख्यालय ने आदेश दिया है कि देश के पश्चिमी और उत्तरी मोर्चे पर उभरती सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर सभी स्थानांतरण और नियुक्ति आदेशों को स्थगित रखा जाए तथा अधिकारी और कार्मिक अपनी तैनाती के स्थान पर उपस्थित रहें। सीआरपीएफ ने जवानों के लिए आयोजित किए जाने वाले कई निर्धारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को भी जून तक स्थगित कर दिया है और अधिकारियों ने निर्देश जारी किए हैं कि जवानों को किसी भी संभावित आपात स्थिति के लिए तैनाती स्थल पर ही रोका जाए तथा अनावश्यक यात्रा से बचा जाए।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने पाकिस्तान से तनाव कम करने पर ध्यान देने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि सीमा पार से लगातार की जा रही कार्रवाई से उसे ही नुकसान होगा। उन्होंने बृहस्पतिवार को जम्मू में किए गए हवाई हमलों को 1971 के युद्ध के बाद शहर पर किए गए ''सबसे गंभीर हमलों'' में से एक बताया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को 'ऑपरेशन सिंदूर' के मद्देनजर जारी सैन्य संघर्ष के बीच तनाव कम करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने हवाई खतरों को निष्प्रभावी करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि एक भी ड्रोन अपने लक्षित लक्ष्य तक न पहुंच सके, सशस्त्र बलों की त्वरित कार्रवाई की सराहना की।अब्दुल्ला ने जम्मू और सांबा जिलों में राहत शिविरों और एक अस्पताल में जाने के दौरान विजयपुर में संवाददाताओं से कहा, ''जिस तरह से नागरिकों को निशाना बनाया गया है और जम्मू शहर में जिस तरह के हमले किए गए हैं, मुझे नहीं लगता कि 1971 के युद्ध के बाद से जम्मू को इस तरह से कभी निशाना बनाया गया है।'' उन्होंने कहा कि जम्मू में कई स्थानों और यहां तक कि अनंतनाग में गोला-बारूद डिपो को भी निशाना बनाया गया था, लेकिन सभी प्रयास नाकाम रहे।

अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को जम्मू और पुंछ जिलों में ड्रोन, मिसाइल और गोलाबारी के जरिए सीमा पार से हाल में किए गए हमलों की कड़ी निंदा की।

खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी करने वाले थोक विक्रेताओं, व्यापारियों पर कार्रवाई होगी: खाद्य मंत्री प्रहलाद जोशी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने व्यापारियों और थोक विक्रेताओं को आवश्यक खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी न करने की चेतावनी देते हुए शुक्रवार को कहा कि देश में घरेलू मांग की पूर्ति के लिए पर्याप्त खाद्य भंडार मौजूद है। सरकारी की यह चेतावनी ऐसे समय में आई है, जब भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष बढ़ गया है और पाकिस्तान सीमावर्ती शहरों में बिना उकसावे के गोलाबारी और ड्रोन हमले कर रहा है।

केंद्रीय खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''देश में खाद्य भंडार के बारे में दुष्प्रचार फैलाने वाले संदेशों पर विश्वास न करें। हमारे पास पर्याप्त खाद्य भंडार है, जो आवश्यक मानदंडों से कहीं अधिक है। ऐसे संदेशों पर ध्यान न दें।'' जोशी ने कहा, ''आवश्यक वस्तुओं के व्यापार में संलग्न व्यापारी, थोक विक्रेता, खुदरा विक्रेता या व्यावसायिक संस्थाओं को कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करने का निर्देश दिया जाता है। जमाखोरी या भंडारण में लिप्त किसी भी व्यक्ति पर आवश्यक वस्तु अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा चलाया जाएगा।'' भारत ने दो सप्ताह पहले पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले का बदला लेने के लिए बुधवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और पाकिस्तान में नौ जगहों पर हमला किया, जो दशकों में पाकिस्तान के अंदर सबसे बड़ा हमला था। जोशी ने एक दिन पहले भी लोगों से आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी से जुड़ी अफवाहों पर ध्यान न देने का आग्रह करते हुए कहा था कि देश में सभी आवश्यक वस्तुओं का पर्याप्त से अधिक स्टॉक है। उन्होंने कहा था कि किसी भी तरह की कोई कमी नहीं है और किसी को भी ऐसी अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर: तेलंगाना के मंदिरों में सशस्त्र बलों के लिए विशेष पूजा-अर्चना की गई

हैदराबाद/भाषा। 'ऑपरेशन सिंदूर' की पृष्ठभूमि में तेलंगाना में बंदोबस्ती विभाग के अंतर्गत आने वाले मंदिरों में भारतीय सशस्त्र बलों के लिए शुक्रवार को विशेष पूजा-अर्चना की गई और उनके प्रति एकजुटता जताई गई। आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, यह विशेष पूजा तेलंगाना सरकार के निर्देश पर कराई गई।

बंदोबस्ती विभाग के निदेशक ने पहले कहा कि पूजा में स्थानीय विधायकों, जनप्रतिनिधियों और अन्य प्रमुख व्यक्तियों को शामिल होना चाहिए। हालांकि, उन्होंने बाद में स्पष्ट किया कि इसमें विधायकों और अन्य लोगों की भागीदारी स्वैच्छिक है। विज्ञप्ति के अनुसार, सरकारी निर्देश के अनुरूप वेमुलावाड़ा स्थित श्री राज राजेश्वर स्वामी मंदिर (जिसे 'दक्षिण काशी' के नाम से जाना जाता है) सहित कई मंदिरों में विशेष पूजा और हवन किया गया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि बंदोबस्ती विभाग के निर्देशानुसार तीनों सेनाओं के कर्मियों की सुरक्षा और सशस्त्र बलों की जीत के लिए विशेष पूजा की गई।

लोकतंत्र में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं : मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वज्रकरूर (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को कहा कि लोकतंत्र में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है और भारत इसका कड़ा जवाब देगा।

अनंतपुर जिले के वज्रकरूर गांव में एक जनसभा को संबोधित करते हुए नायडू ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल में हुए आतंकी हमले की निंदा की और इसे 'अक्षम्य कृत्य' करार दिया जिसने भारत की संप्रभुता और मानवता को चुनौती दी है। नायडू ने कहा, ''इस देश में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सख्त कार्रवाई करेंगे।'' तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख ने कहा कि पाकिस्तान को अपना रास्ता सुधारना चाहिए था, लेकिन उसने बार-बार उकसा कर भारत को 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे अभियानों के माध्यम से जवाब देने के लिए मजबूर कर दिया। नायडू ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में शहीद हुए आंध्र प्रदेश के सैनिक मुरली नाइक को श्रद्धांजलि दी और उनके परिवार को आश्वासन दिया कि राष्ट्र हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा। दो साल से सेना में कार्यरत नाइक देश के लिए लड़ते हुए शहीद हो गए। नायडू ने कहा, ''हमारे सैनिक बिना आराम या भोजन किये हमारी रक्षा करते हैं।'' उन्होंने आंध्र प्रदेश के लोगों से सतर्क रहने, सक्षम होने पर सशस्त्र बलों में शामिल होने और कठिन समय में राष्ट्र के साथ एकजुट रहने का आग्रह किया।

देश में पर्याप्त ईंधन भंडार मौजूद, घबराहट में खरीदारी न करें : पेट्रोलियम कंपनियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। घरेलू पेट्रोलियम कंपनियों ने शुक्रवार को आम लोगों को आश्वस्त किया कि देश में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस (एलपीजी) का पर्याप्त भंडार है और घबराहट में इनकी खरीदारी करने की कोई जरूरत नहीं है।

सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने अलग-अलग बयान जारी कर पेट्रोलियम उत्पादों के पर्याप्त भंडार और सुचारू परिचालन का आश्वासन दिया। पेट्रोलियम विपणन कंपनियों का यह बयान सोशल मीडिया पर आई उन खबरों एवं वीडियो के बाद जारी किया गया जिनमें दावा किया गया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के कारण पेट्रोल पंप पर ईंधन भरवाने के लिए लोगों की कतारें लग गई हैं।

आईओसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''इंडियन ऑयल के पास देश भर में ईंधन का पर्याप्त भंडार है और हमारी सभी आपूर्ति लाइन सुचारू रूप से काम कर रही हैं। घबराहट में खरीदारी करने की कोई जरूरत नहीं है। हमारे सभी बिक्री केंद्रों पर ईंधन और एलपीजी उपलब्ध हैं।'' विशेष तौर पर पाकिस्तान की सीमा से लगे राज्यों में लोगों ने घबराहट में पेट्रोल-डीजल की खरीदारी शुरू कर दी थी। पाकिस्तान की सेना ने आठ-नौ मई की रात को ड्रोन तथा अन्य हथियारों का इस्तेमाल करते हुए पूरे पश्चिमी सीमा क्षेत्र में कई हमले किए, जिसके बाद जम्मू-कश्मीर तथा पंजाब के कई शहरों में 'ब्लैकआउट' कर दिया गया। भारतीय सेना ने कहा कि हमलों को '' प्रभावी ढंग से विफल '' कर दिया गया है।

इससे लोगों में तनाव बढ़ा और घबराहट में लोगों ने ईंधन की खरीदारी शुरू कर दी।

घबराने की जरूरत नहीं, अफवाहों पर ध्यान न दें : भगवंत मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के मद्देनजर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। साथ ही उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती जिलों में मंत्रियों को जिम्मेदारी दी जाएगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी या जमाखोरी न करे।

मंत्रिमंडल बैठक की अध्यक्षता करने के बाद मान ने कहा, ''घबराने की कोई जरूरत नहीं है। किसी भी अफवाह पर भरोसा न करें। पंजाब में तेल की कोई कमी नहीं है। पेट्रोल पंपों पर कतार में लगने की जरूरत नहीं है।'' ऐसी खबरें हैं कि अमृतसर, पठानकोट और पंजाब के अन्य शहरों में लोग दालें, खाद्य तेल, आटा, चीनी और नमक जैसी जरूरी चीजें थोक में खरीद रहे हैं। पंजाब में हाई अलर्ट जारी है और राज्य सरकार ने दोनों देशों के बीच जारी सैन्य संघर्ष के मद्देनजर शुक्रवार को सभी सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। इस बीच, पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने शुक्रवार को भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के मद्देनजर 'पंजाब रेड क्रॉस सोसाइटी' के मुख्यालय से राज्यव्यापी विशेष रक्तदान अभियान की शुरुआत की। यह अभियान पंजाब के सभी 23 जिलों में एक साथ चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य किसी भी आपात स्थिति में रक्त की तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा, ''पंजाब एक सीमावर्ती राज्य है और मौजूदा संवेदनशील स्थिति को देखते हुए रेड क्रॉस की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यह अभियान केवल रक्तदान करने के बारे में नहीं है, यह हमारी सामाजिक एकता और मानवीय मूल्यों की परीक्षा है।'' वहीं, एक अधिकारी ने बताया कि पंजाब रोडवेज ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के कारण होशियारपुर से जम्मू तक अपनी बस सेवा एक दिन के लिए निलंबित कर दी है। पंजाब रोडवेज, होशियारपुर के महाप्रबंधक जसवीर कोटला ने कहा कि मौजूदा स्थिति के मद्देनजर एहतियाती कदम उठाते हुए शुक्रवार को डिपो की कोई भी बस जम्मू नहीं भेजी गई।

भारत-पाक संघर्ष: गुजरात सरकार ने 15 मई तक ड्रोन और पटाखों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात सरकार ने शुक्रवार को भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के मद्देनजर ड्रोन और पटाखों के इस्तेमाल पर 15 मई तक प्रतिबंध लगा दिया। सरकार ने सोशल मीडिया पर राष्ट्र-विरोधी भावनाएं फैलाने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की भी चेतावनी दी है। गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, इस महीने की 15 तारीख तक किसी भी समारोह या कार्यक्रम में पटाखे या ड्रोन के इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी जाएगी। कृपया सहयोग करें और दिशानिर्देशों का पालन करें।

इससे पहले दिन में संघवी ने गांधीनगर में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए राज्य पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता की। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि बैठक में राज्य के डीजीपी विकास सहाय, खुफिया ब्यूरो के अधिकारी, पुलिस आयुक्त, रेंज महानिरीक्षक, जिला पुलिस अधीक्षक और साइबर अपराध अधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान, मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सोशल मीडिया मंचों पर राष्ट्र-विरोधी सामग्री पोस्ट करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी नजर रखें और सख्त कार्रवाई करें।

सीतारमण ने बैंकों से तनाव के बीच निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते संघर्ष के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को बैंकों से सतर्क रहने और ग्राहकों के लिए निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाने को कहा।

साइबर सुरक्षा तैयारियों पर बैंकों और बीमा कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों की बैठक में वित्त मंत्री ने चुनौतीपूर्ण समय में आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने में बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। बैंकिंग सेवाएं बिना किसी व्यवधान और गड़बड़ियों के काम करनी चाहिए। इसमें बैंकों की शाखाएं और डिजिटल बैंक दोनों शामिल हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतिकूल स्थिति से निपटने के लिए बैंकों को आपातकालीन प्रोटोकॉल को उन्नत करने के साथ उसका परीक्षण करना चाहिए। वित्त मंत्री ने बैंकों को सीमावर्ती क्षेत्रों में मौजूद शाखाओं में कार्यरत बैंक कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को भी कहा। वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि सीतारमण ने बैंकों को सुरक्षा एजेंसियों के साथ प्रभावी समन्वय करके उनकी पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया। बैठक में बैंकों और बीमा कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के अलावा वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय), आरबीआई, आईआरडीएआई और एनपीसीआई के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी शिरकत की।

पंजाब: मोहाली में सिनेमाघर व मॉल सूर्यास्त से सुबह 6 बजे तक बंद रहेंगे

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मोहाली में जिला प्रशासन ने शुक्रवार को अगले आदेश तक सूर्यास्त से सूर्योदय तक सिनेमाघर और शॉपिंग मॉल बंद रखने का आदेश दिया है। मॉल और सिनेमाघर रात 08:00 बजे से सुबह 06:00 बजे तक बंद रहेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने मोहाली में अगले आदेश तक बाहर की लाइट, बिल बोर्ड, स्ट्रीट लाइट आदि के लिए इस्तेमाल किए जा रहे इन्वर्टर, जनरेटर और बिजली के किसी अन्य विकल्प के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। अधिकारियों ने कहा कि लोगों से अनुरोध किया है कि वे शाम के समय बहुत जरूरी न हो, घरों से बाहर नहीं निकलें। आदेश नौ मई से अगले आदेश तक लागू रहेगा।

मोहाली की उपायुक्त कोमल मित्तल की ओर से जारी आदेश में कहा है, ''मौजूदा हालात और पाकिस्तान से हवाई हमले की आशंका वाली खुफिया सूचनाओं के मद्देनजर, लोगों की सुरक्षा व रणनीतिक हितों की रक्षा के लिए रात के समय पूरी तरह से 'ब्लैकआउट' करना जरूरी हो सकता है।''

सिद्धिविनायक मंदिर में सुरक्षा कारणों से 11 मई से नारियल, माला और प्रसाद पर प्रतिबंध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भगवान गणेश को समर्पित मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर के प्रबंधन ने शुक्रवार को कहा कि सुरक्षा कारणों से 11 मई से मंदिर में नारियल, माला और प्रसाद चढ़ाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

दक्षिण मुंबई के प्रभादेवी क्षेत्र में स्थित यह मंदिर एक लोकप्रिय धार्मिक स्थल है जो बड़ी संख्या में भक्तों को आकर्षित करता है। श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सदा स्वर्णकार ने कहा कि मंदिर में हर रोज़ हज़ारों लोग आते हैं और यह आतंकवादियों की 'हिट लिस्ट' में है। हाल में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने ट्रस्ट के साथ बैठक की। उन्होंने कहा, हमें सरकार और पुलिस ने कई सलाह दी हैं। सुरक्षा उपायों के बारे में उन्होंने कहा कि भगवान गणेश को चढ़ाए जाने वाले नारियल सुरक्षा जांच के दौरान पहचान में नहीं आते और इससे खतरा हो सकता है। प्रसाद में जहर हो सकता है। इससे बचने के लिए हम कुछ वक्त तक भगवान को माला और नारियल चढ़ाने की अनुमति नहीं देंगे। स्वर्णकार ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता को देखते हुए यह उपाय अस्थायी है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट ने मंदिर के बाहर फूल विक्रेताओं से बात की, जिन्होंने 11 मई से यह पहल शुरू करने का अनुरोध किया ताकि वे अपना मौजूदा स्टॉक खत्म कर सकें। शिवसेना के पूर्व विधायक ने यह भी कहा कि मंदिर ट्रस्ट यह भी देखने का प्रयास कर रहा है कि क्या वह भक्तों के लिए फूल और दूर्वा घास उपलब्ध करा सकता है ताकि वे इसे भगवान को अर्पित कर सकें। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बढ़ाने के लिए ट्रस्ट सशस्त्र बलों से सेवानिवृत्त 20 जवानों की भी भर्ती करेगा और वे हथियारबंद होंगे। सर्वणकर ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा पुलिस और मंदिर ट्रस्ट की जिम्मेदारी है।

देश के जलाशयों में भंडारण राष्ट्रीय स्तर पर सुधारा, लेकिन पूर्वी व उत्तरी क्षेत्रों में कमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रमुख जलाशयों में कुल जल भंडारण में पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, फिर भी कई राज्य जल भंडारण के गंभीर निम्न स्तर की समस्या से जूझ रहे हैं। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक बुलेटिन से मिली है।

केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) द्वारा जारी साप्ताहिक बुलेटिन के अनुसार, देश के 161 प्रमुख जलाशयों में वर्तमान में 57.974 अरब क्यूबिक मीटर (बीसीएम) जल संग्रहण है, जो उनकी कुल क्षमता का 31.78 प्रतिशत है।

यह पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज 49.290 बीसीएम से अधिक है तथा दस वर्ष के औसत 50.038 बीसीएम से ज्यादा है। राष्ट्रीय स्तर पर, वर्तमान भंडारण पिछले वर्ष के स्तर का 117.6 प्रतिशत और सामान्य का 115.9 प्रतिशतहै, जो समग्र सुधार का संकेत है। मगर पूर्वी क्षेत्र पानी की भारी कमी का सामना कर रहा है। इस क्षेत्र में बिहार, ओडिशा, झारखंड और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य आते हैं। इस क्षेत्र के जलाशय अपनी क्षमता का सिर्फ 27.87 प्रतिशत ही भर पाए हैं, जो पिछले साल के 35.97 प्रतिशत और सामान्य स्तर 34.64 फीसदी से काफी कम है। ओडिशा के रेंगाली और ऊपरी इंद्रावती जलाशयों, बिहार के बदुआ और चंदन बांधों, तथा मिजोरम के तुइरियल जलाशय में भंडारण की स्थिति बहुत कम बताई गई है, जहां उनके सामान्य भंडारण का मात्र 23.4 प्रतिशत ही है।

उत्तरी क्षेत्र में स्थिति और भी गंभीर है, जहां कुल मिलाकर जलाशय क्षमता का केवल 24.09 प्रतिशत ही दर्ज किया गया है जो पिछले वर्ष 29.5 फीसदी था। इस क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश, पंजाब और राजस्थान आते हैं।

हिमाचल प्रदेश के पोंग बांध और पंजाब के थीन बांध में पानी की भारी कमी दर्ज की गई है।

शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुचिरापल्ली शहर के पंजापुर में 9 मई को आयोजित एक सरकारी समारोह में 238 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होने वाले पेरियार एकीकृत सब्जी स्टोर की आधारशिला रखी और फादर पेरियार की प्रतिमा का उद्घाटन मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने किया। इस अवसर पर नगर प्रशासन मंत्री केएन नेहरू, प्राकृतिक संसाधन मंत्री एस. इरागुपति, परिवहन और बिजली मंत्री एस.एस. शिवशंकर, स्कूल शिक्षा मंत्री अनबिल महेस पोइयामोझी, पिछड़ा कल्याण मंत्री शिव. वी. मयनाथन, संसद सदस्य तिरुचि शिवा, तिरुचिरापल्ली नगर निगम के मेयर एम. अंबाजगन आदि उपस्थित थे।

उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शुक्रवार को तिरुचिरापल्ली शहर के पंचपुसी में आयोजित एक सरकारी समारोह में कलाकार एम. करुणानिधि एकीकृत बस टर्मिनल का उद्घाटन मुख्यमंत्री एमके स्टालिन किया और तमिलनाडु सरकार परिवहन निगमों की ओर से 120 नई बसों की सेवा को हरी झंडी दिखाई।

मुख्यमंत्री स्टालिन आज सशस्त्र बलों के समर्थन में रैली का नेतृत्व करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन शनिवार को चेन्नई में सशस्त्र बलों के समर्थन में निकाली जाने वाली एक रैली का नेतृत्व करेंगे। यह रैली हाल ही में पाकिस्तान की ओर से बढ़ते आतंकी हमलों और सीमा उल्लंघनों के बीच देश की सुरक्षा में जुटे जवानों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए आयोजित की जा रही है।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने शुक्रवार को जानकारी दी कि यह रैली शाम पांच बजे पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कार्यालय से शुरू होकर आइलैंड ग्राउंड्स के पास स्थित वॉर मेमोरियल तक जाएगी।

स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान ने न केवल अपने लिए संकट खड़ा किया है, बल्कि भारत के खिलाफ लगातार उल्लंघन कर रहा है। ऐसे समय में भारतीय सेना बहादुरी से हमारी रक्षा कर रही है। अब समय है कि हम अपनी सेना के साथ खड़े हों और उनका समर्थन करें।

मुख्यमंत्री ने कहा, कल शाम पांच बजे मेरे नेतृत्व में पूर्व सैनिकों, मंत्रियों, आम लोगों और छात्रों की भागीदारी के साथ डीजीपी कार्यालय से आइलैंड ग्राउंड के पास वॉर मेमोरियल तक एक रैली निकाली जाएगी। सभी लोग इसमें भाग लें और अपनी एकता और दृढ़ संकल्प दिखाएं।

जम्मू-कश्मीर में फंसे 52 तमिलनाडु के छात्र, उन्हें घर लाने के लिए कदम उठाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जम्मू-कश्मीर में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे तमिलनाडु के 52 छात्र और शैक्षणिक दौरे पर गए चार अन्य छात्र केंद्र शासित प्रदेश में फंस गए हैं और उन्हें सुरक्षित घर वापस लाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। राज्य सरकार ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

विद्यार्थी वर्तमान में कृषि, बागवानी, मत्स्य पालन, रेशम कीट पालन, एनआईएफटी और एनआईटी की पढ़ाई कर रहे हैं। उन्हें भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के मद्देनजर राज्य में मौजूदा तनावपूर्ण स्थिति के मद्देनजर घर लौटने में कठिनाई हो रही है। सरकार ने कहा कि उनके अनुरोध के बाद राज्य सरकार ने छात्रों को तमिलनाडु लाने की व्यवस्था की है।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 22 अप्रैल के आतंकवादी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में फंसे पर्यटकों की वापसी की व्यवस्था की थी।

यहां जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि मुख्यमंत्री पुदुकोट्टई जिले के अतिरिक्त कलेक्टर आफताब रसूल और दिल्ली स्थित तमिलनाडु हाउस के आयुक्त आशीष कुमार को छात्रों से बातचीत करने और उनकी वापसी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर कार्य करते हुए अल्पसंख्यक कल्याण और अनिवासी तमिल कल्याण मंत्री एस एम नासर ने छात्रों से फोन पर संपर्क किया और उन्हें घर वापस लाने के उपायों का आश्वासन दिया।

छात्रों ने हवाई सेवा के फिर से शुरू होने तक इंतज़ार करने का फैसला किया है। हालांकि, शैक्षणिक दौरे पर गए चार छात्र शुक्रवार को सड़क मार्ग से राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना हो गए और वे शनिवार सुबह तमिलनाडु हाउस पहुंचेंगे। उन्हें विमान से चेन्नई ले जाया जाएगा।

तमिलनाडु सरकार के प्रमुख विभागों में ''भ्रष्टाचार'' के नेटवर्क का पता चला : ईडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को दावा किया कि उसने धनशोधन के एक मामले में इस सप्ताह की शुरूआत में छापेमारी के दौरान तमिलनाडु सरकार के प्रमुख विभागों के कई सलाहकारों से जुड़े एक प्रणालीगत ''भ्रष्टाचार'' नेटवर्क का पता लगाया है। संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि उसने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत छह मई को चेन्नई और वेल्लोर में की गई छापेमारी के दौरान 4.73 करोड़ रुपये की ''बेहिसाब'' नकदी भी जब्त की, जो ''रिश्वत'' के भुगतान के लिए थी।

यह जांच तमिलनाडु सतर्कता भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) द्वारा पर्यावरण विभाग के अधीक्षक एस पांडियन और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में दर्ज प्राथमिकी से संबंधित है। इसने कहा कि ईडी ने कुल 16 परिसरों की तलाशी ली, जिनमें उपरोक्त अधिकारी और तमिलनाडु सरकार के विभागों के विभिन्न ''प्रमुख'' सलाहकारों के परिसर शामिल थे। बयान में कहा गया है, छापेमारी में गहरी जड़ें जमाए हुए और प्रणालीगत भ्रष्टाचार नेटवर्क का पता चला, जिसमें प्रमुख सरकारी विभागों के कई प्रमुख सलाहकार शामिल थे।

ईडी ने आरोप लगाया, साक्ष्यों से पता चलता है कि सलाहकारों/ब्रोकर ने बिचौलियों की तरह काम किया, फर्जी कंपनियां और फर्म बनाईं, जिनके जरिए सेवा शुल्क और भुगतान की आड़ में रिश्वत दी गई। बयान में कहा गया है कि जांच में प्रभाकर सिगमोनी, ए के नाथन, नवीन कुमार, संतोष कुमार और विनोद कुमार नामक प्रमुख सलाहकारों की ''अवैध'' मंजूरी दिलाने में भूमिका की ''पुष्टि'' हुई है। इसमें कहा गया है कि साक्ष्य नष्ट करने और सहयोग नहीं करने के लिए एक महत्वपूर्ण कर्मी के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। ईडी ने कहा कि उसने छापेमारी के दौरान दस्तावेज, डिजिटल रिकॉर्ड और संपत्ति के दस्तावेज भी बरामद किए हैं, जो बड़े पैमाने पर धनराशि के गबन का संकेत देते हैं।

निपाह : केरल में छह संदिग्ध रोगियों की जांच रिपोर्ट 'निगेटिव', संक्रमित व्यक्ति की हालत गंभीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मलप्पुरम। केरल सरकार ने शुक्रवार को कहा कि मलप्पुरम जिले में निपाह वायरस के मरीज के संपर्क में आने के बाद जिन छह लोगों में इस रोग के लक्षण दिखे थे, उन सभी की जांच रिपोर्ट 'निगेटिव' आई है। यह खबर राहत भरी है, हालांकि मूल मरीज की हालत गंभीर बनी हुई है। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे जिले में सख्त निवारक उपाय जारी रहेंगे।

उन्होंने पहले से लागू उपायों की समीक्षा के लिए मलप्पुरम जिलाधिकारी कार्यालय में एक उच्च स्तरीय कोर कमेटी की बैठक की अध्यक्षता की। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, संक्रमित रोगी के संपर्क में आए कुल 49 लोग निगरानी में हैं, जिनमें से पांच लोगों को हल्के लक्षण दिखाई देने पर मंजेरी मेडिकल कॉलेज के 'पृथक वार्ड' में भर्ती कराया गया है।

फिलहाल पेरिंथलमन्ना अस्पताल में भर्ती एर्नाकुलम की एक नर्स भी पृथकवास में है। उनके नमूने परीक्षण के लिए भेजे गए थे और सभी परिणाम नेगेटिव' आए हैं। निगरानी में रखे गए 49 लोगों में से 12 आपस में रिश्तेदार हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इसमें वलनचेरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के तीन लोग, वलनचेरी क्लिनिक का एक व्यक्ति, पेरिंथलमन्ना अस्पताल के 25 लोग, प्रयोगशालाओं के दो और मेडिकल स्टोर के दो लोग शामिल हैं। इसके अलावा, एहतियात के तौर पर कम जोखिम वाले चार लोगों की भी निगरानी की जा रही है।

मंत्री जॉर्ज ने जिलाधिकारी और जिला चिकित्सा अधिकारी को स्वास्थ्य विभाग के साथ सहयोग करने में विफल रहने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम और सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

इस बीच, एक संबंधित कदम के तहत, मरीज के घर के पास मिली मृत बिल्ली को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। निपाह एंटीबॉडी की मौजूदगी की जांच के लिए नमूने भोपाल की एक लैब में भेजे गए हैं।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि पशुपालन विभाग इस जांच की निगरानी कर रहा है। रोकथाम प्रयासों के तहत पूरे जिले में सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने मरीज के रिश्तेदारों से मिली जानकारी के आधार पर रोगी की हाल की गतिविधियों का 'रूट मैप' जारी किया है। मरीज 25 अप्रैल को जिन जगहों पर गया था, वहां के सीसीटीवी फुटेज भी एकत्र किए जा रहे हैं।

कमल हासन की फिल्म 'ठग लाइफ' के ऑडियो लॉन्च का कार्यक्रम टला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अभिनेता कमल हासन ने शुक्रवार को कहा कि दिग्गज फिल्मकार मणिरत्नम के साथ उनकी नयी फिल्म 'ठग लाइफ' के ऑडियो लॉन्च कार्यक्रम का समय हमारे देश की सीमा पर हो रहे घटनाक्रम और वर्तमान में उच्च अलर्ट की स्थिति' के मद्देनजर पुनर्निर्धारित कर दिया गया है। हासन ने एक बयान में कहा कि 'फिल्म का ऑडियो लॉन्च कार्यक्रम 16 मई को होना था, लेकिन अब यह नयी तारीख पर होगा, जिसकी घोषणा बाद में अधिक उपयुक्त समय पर की जाएगी।'

उन्होंने कहा, कला प्रतीक्षा कर सकती है। भारत पहले आता है। हमारे देश की सीमा पर हो रहे घटनाक्रम और वर्तमान में उच्च अलर्ट की स्थिति को देखते हुए, हमने 'ठग लाइफ' के ऑडियो लॉन्च का समय पुनर्निर्धारित करने का निर्णय लिया है, जिसे पहले 16 मई को किया जाना था। हासन (70) ने कहा, ''हमारे सैनिक हमारी मातृभूमि की रक्षा में अदम्य साहस के साथ अग्रिम मोर्चे पर डटे हुए हैं। मेरा मानना है कि यह जश्न मनाने का नहीं, बल्कि एकजुटता दिखाने का समय है। इस समय, हमारी संवेदनाएं हमारे सशस्त्र बलों के उन बहादुर पुरुषों और महिलाओं के साथ हैं, जो हमारे देश की सुरक्षा के लिए सजग हैं।'' अभिनेता ने कहा कि सभी नागरिकों का कर्तव्य है कि वे 'संयम और एकजुटता' के साथ प्रतिक्रिया दें। गैंगस्टर ड्रामा फिल्म 'ठग लाइफ' में हासन और मणिरत्नम 35 साल के अंतराल के बाद फिर से साथ काम कर रहे हैं। यह तमिल सुपरस्टार की 234वीं फिल्म होगी। इससे पहले दोनों ने 1987 की हिट फिल्म 'नायकन' में काम किया था। 'ठग लाइफ' फिल्म पांच जून को देशभर में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

एसआरएमआईएसटी की प्रोफेसर ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की आलोचना की, संस्थान ने किया निलंबित

चेन्नई। तमिलनाडु के एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसआरएमआईएसटी) की एक प्रोफेसर को 'ऑपरेशन सिंदूर' की आलोचना करना भारी पड़ गया। उन्होंने व्हाट्सएप स्टेटस में इस ऑपरेशन की आलोचना की थी, जिसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया है।

प्रोफेसर लोरा एस. इंस्टीट्यूट के करियर सेंटर निदेशालय में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। बताया गया है कि बुधवार को लोरा ने कुछ व्हाट्सएप स्टेटस संदेशों के जरिए उस सीमा पार सैन्य अभियान की आलोचना की, जो पाकिस्तान और पीओके के आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाते हुए नियंत्रण रेखा के पार किया गया था।

एक पोस्ट में लोरा ने केंद्र सरकार पर चुनावी लाभ के लिए सैन्य कार्रवाई करने का आरोप लगाया, जबकि दूसरे में पाकिस्तान में कथित नागरिक हताहतों पर दुख व्यक्त किया। उनके एक संदेश में लिखा था, भारत ने पाकिस्तान में एक बच्चे को मार डाला और बुधवार की तड़के हमलों में दो लोगों को घायल कर दिया। यह एक कायराना कृत्य है। इसके साथ ही उन्होंने भारत के भविष्य के आर्थिक संकटों का अनुमान भी व्यक्त किया, जिसमें लॉकडाउन, महंगाई, खाद्य संकट और जान-माल की हानि जैसी चुनौतियों का जिक्र किया। शुरुआत में ये पोस्ट केवल उनके व्हाट्सएप कॉन्टेक्ट्स के लिए दिख रही थीं, लेकिन बाद में भाजपा कार्यकर्ता बाला द्वारा सोशल मीडिया पर स्क्रीनशॉट साझा करने के बाद यह वायरल हो गया। उन्होंने संस्थान को टैग करते हुए यह सवाल किया, क्या आप इस विचारधारा को स्वीकार करते हैं? क्या यही अब शैक्षिक सक्रियता है? इसके बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं का तूफान उठ खड़ा हुआ। इसके बाद एसआरएमआईएसटी ने लोरा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया और एक आंतरिक जांच शुरू करने की घोषणा की। एसआरएमआईएसटी के रजिस्ट्रार एस. पोन्नुसामी ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि उनकी पोस्ट को अनैतिक गतिविधि के रूप में देखा गया है और जांच की जाएगी।

क्रिकेट स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी

चेन्नई। चेन्नई में क्रिकेट प्रतियोगताओं का आयोजन किये जाने पर बम विस्फोट की ''धमकी'' मिली है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि यहां एम ए चिदंबरम स्टेडियम में क्रिकेट आयोजनों को लेकर एक ई-मेल के जरिये यह धमकी दी गई।

पुलिस अधिकारियों ने 'पीटीआई भाषा' को बताया कि ई-मेल मिलने के बाद बम निरोधक दस्ते ने गहन जांच की और उन्हें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। उन्होंने कहा कि यह एक अफवाह साबित हुई। यह ई-मेल बृहस्पतिवार को मिली और नौ मई की सुबह इसकी पुलिस को जानकारी दी गई, जिसके बाद पड़ताल की गई। यह पूछे जाने पर कि क्या यह बार-बार अपराध करने वालों का काम है, अधिकारी ने कहा कि जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा।

केरल : एसएसएलसी परीक्षा में 99.50 परिक्षार्थियों ने पाई सफलता

तिरुवनंतपुरम। केरल के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने शुक्रवार को राज्य की 'सीनियर सेकेंडरी लीविंग सर्टिफिकेट' (एसएसएलसी) परीक्षा के परिणाम घोषित किए और इस बार इस परीक्षा में कुल 99.50 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए। मंत्री ने यहां पत्रकारों को बताया कि परीक्षा में शामिल हुए 4,27,020 छात्रों में से 4,24,583 छात्र उत्तीर्ण हुए।

इनमें से 61,449 छात्रों ने सभी विषयों में 'ए प्लस ग्रेड' हासिल किया। राज्य के 2,331 स्कूलों में परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। मंत्री ने कहा कि इस वर्ष का परीक्षा परिणाम पिछले वर्ष के 99.69 प्रतिशत से 0.19 प्रतिशत कम है और पिछले वर्ष सभी विषयों में ए प्लस ग्रेड' प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या 71,831 थी जो इस साल घटकर 61,449 रह गई है। अनुसूचित जाति (एससी) के कुल 39,981 छात्र-छात्राओं में से 98.66 प्रतिशत यानी कुल 39,447 परीक्षार्थी उच्च शिक्षा के लिए योग्य हुए। उनमें से 2,130 बच्चों ने सभी विषयों में 'ए प्लस ग्रेड' प्राप्त किया। इस बार अनुसूचित जनजाति (एसटी) के 7,279 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल हुए थे, जिनमें से 7,135 उत्तीर्ण हुए और उनका परीक्षा परिणाम 98.02 प्रतिशत रहा। इस श्रेणी में कुल 162 छात्रों ने सभी विषयों में 'ए प्लस ग्रेड' प्राप्त किया। केरल, लक्षद्वीप और खाड़ी क्षेत्रों के 3,072 केंद्रों पर कुल 4,27,020 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल हुए। केरल के 48 केंद्रों पर 74 अभ्यर्थी एसएसएलसी की व्यक्तिगत परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 3,057 विद्यार्थियों ने टीएचएसएलसी (तकनीकी हाई स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट) परीक्षा दी। केरल कलामंडलम में कुल 66 विद्यार्थियों ने एएचएसएलसी (हाई स्कूल कला वर्ग) परीक्षा दी। यह परीक्षाएं तीन मार्च को शुरू हुई और 26 मार्च तक आयोजित की गईं। मंत्री ने बताया कि राज्य के 72 केंद्रों पर उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन तीन अप्रैल से 26 अप्रैल तक 14 कार्य दिवसों में पूरा किया गया और मूल्यांकन कार्य में 9,851 शिक्षकों ने भाग लिया।

पैसे ऐंठने के आरोप में तीन पुलिसकर्मी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उत्तर पूर्वी विभाग के चिक्कजाला पुलिस थाना क्षेत्र के बागलूर पुलिस थाने की पुलिस ने तीन पुलिस वालों को गिरफ्तार किया है। इन पुलिस वालों पर जबरन वसूली करने और अपराधियों से सांठगांठ करने का आरोप है। गिरफ्तार पुलिस में चिक्कजाला पुलिस के दो हैड कांस्टेबल एवं एक कांस्टेबल शामिल हैं।

यह पुलिस वाले अपराधियों को थाने में बुलाकर उनको डरा धमकाकर पैसे वसूलते थे। वह अपराधियों को अनेक धाराओं में फंसाने की बात कहकर उनसे पैसे ऐंठ लेते थे। इन पर व्यापारियों से भी पैसे ऐंठने के आरोप हैं। हाल ही में एक नोट डबल करने वाली गैंग को पुलिस थाने में पकड़ कर लाया गया और इन तीनों ने मिलकर उससे 6 लाख रुपए वसूले और उनको थाने से जाने दिया। इसकी जानकारी ऊपर के अधिकारियों को नहीं दी गई। पुलिस थाने में एफआईआर भी नहीं की।

बेंगलूरु हवाई अड्डे ने यात्रियों से उड़ानों के निर्धारित प्रस्थान से तीन घंटे पहले पहुंचने को कहा

बेंगलूरु। कर्नाटक में बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने शुक्रवार को यात्रियों से उड़ानों के निर्धारित प्रस्थान से कम से कम तीन घंटे पहले हवाई अड्डे पर पहुंचने की अपील की। केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने यह निर्देश देशभर में बढ़ी सुरक्षा सतर्कता को देखते हुए जारी किया है। यात्रियों के लिए जारी एक परामर्श में कहा गया है, देशभर में सुरक्षा सतर्कता बढ़ने के कारण सभी हवाई अड्डों पर जांच प्रक्रिया सख्त कर दी गई है। यात्री समय पर चेक-इन, सुरक्षा जांच और बोर्डिंग सुनिश्चित करने के लिए तीन घंटे पहले हवाई अड्डे पर पहुंच जाएं। इसके साथ ही हवाई अड्डे ने यात्रियों से यह भी कहा कि वे अपनी उड़ान के संबंध में किसी भी ताजा जानकारी के लिए विमानन कंपनी से संपर्क करें। इसमें कहा गया है, हम इस समय आपकी समझदारी और सहयोग की सराहना करते हैं।

कांग्रेस ने सशस्त्र बलों के समर्थन में 'जय हिंद तिरंगा यात्रा' निकाली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के केआर सर्किल पर शुक्रवार को बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए, जहां कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने पहलगाम आतंकवादी हमले का बदला लेने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम देने वाले भारतीय सशस्त्र बलों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए 'जय हिंद तिरंगा यात्रा' का आयोजन किया। 'जय हिंद-जय भारत-जय तिरंगा', 'भारत जिंदाबाद', भारत माता की जय' और हमारे सैनिक हमारा गौरव हैं' के जोरदार नारों के बीच कार्यक्रम स्थल पर भारतीय तिरंगा लहरा रहा था।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार और कई वरिष्ठ मंत्रियों ने मार्च में भाग लिया, जो केआर सर्किल से शुरू होकर एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम पर समाप्त हुआ। शिवकुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम भारत की सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिकों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए आयोजित किया गया। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस ने जय हिंद तिरंगा यात्रा' का आयोजन किया था और इसमें छात्रों, सरकारी कर्मचारियों और विभिन्न संगठनों एवं संस्थानों के सदस्यों सहित सभी क्षेत्रों के लोगों को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने कहा, ''सैनिक हमारा राष्ट्रीय गौरव हैं। हम उन्हें सलाम करते हैं। हम उनके साथ एकजुटता से खड़े हैं ताकि यह संदेश दिया जा सके कि पूरा देश उनके साथ है।''

जैसलमेर जिले में शाम छह से सुबह छह बजे तक रहेगा ब्लैकआउट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। जम्मू कश्मीर के पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करने के लिए आपरेशन सिंदूर चलाने और उसके बाद पाकिस्तान के भारत पर हमले की कोशिश करने से सीमा पर उत्पन्न तनाव के कारण जैसलमेर में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई हैं और प्रशासन ने सतर्क रहने और नियमों का पालन करने की हिदायत दी हैं वहीं किशनघाट गांव में एक बम भी मिला हैं। जिला प्रशासन ने मौजूदा हालात के चलते दिशा निर्देश जारी किए हैं जिसमें जिले के सभी बाजार शाम पांच बजे बंद कर देने और इसके बाद कोई भी बाजार खुला नहीं रहेगा। शाम छह बजे से सुबह छह बजे तक पूरे जिले में ब्लैकआउट रहेगा। इस दौरान सभी प्रकार की लाइटें बंद रखने की हिदायत दी गई हैं। ब्लैकआउट के दौरान दोपहिया, तीन पहिया एवं चार पहिया वाहन सहित समस्त प्रकार के वाहनों से होने वाला आवागमन पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा। इसी तरह सेना क्षेत्र के पांच किलोमीटर तक के दायरे में आवागमन पूरी तरह से वर्जित रहेगा। रामगढ़-तनोट रोड़ पर जाने वाले अपराह्न तीन बजे तक अपनी यात्रा पूर्ण कर ले और इसके बाद इस मार्ग पर आवागमन पूरी तरह से वर्जित रहेगा। जिले में गत आठ मई से आगामी सात जुलाई तक संपूर्ण जिले में ड्रोन संचालन पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। वह सभी लोग जिनके पास ड्रोन हैं तत्काल रूप से शुक्रवार सायं पांच बजे से पहले अपने ड्रोन अनिवार्य रूप से निकटतम पुलिस थाना में जमा करा देने चाहिए। जिले में पटाखों की दुकानें पूर्णतया बंद रहेगी।

इस दौरान पटाखे छोड़ने, बेचान करने एवं खरीद पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन ने नागरिकों से नियमों का पालन करने, शांति, सहयोग और सतर्कता बरतने की अपील की है। पुलिस के अनुसार जैसलमेर जिले के किशनघाट गांव में शुक्रवार सुबह एक बम होने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची जहां एक बम पड़ा मिला और उस जगह पर लोगों को दूरी बनाने के लिए कहा गया। बाद में बम को निष्क्रिय करने के लिए सेना का दल पहुंचा।

सोशल मीडिया पर देश के विरूद्ध भड़काऊ पोस्ट करने के मामले में एक युवक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के चुरू जिले में सोशल मीडिया पर कथित रूप से राष्ट्र विरोधी भड़काऊ पोस्ट करने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक जय यादव ने बताया कि चुरू जिले के सरदारशहर थानाक्षेत्र में पुलिस ने सोशल मीडिया पर राष्ट्र विरोधी भड़काऊ पोस्ट करने के मामले में बजरागसर के आसिफ खान (22) को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि 'साईबर डेस्क टीम' भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के मद्देनजर सभी सोशल मीडिया मंचों पर लगातार निगाह रख रही है तथा इसी दौरान संज्ञान में आया कि सरदारशहर का एक युवक अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भड़काऊ वीडियो, फोटो लाईक, शेयर एवं पोस्ट कर रहा है।

यादव के अनुसार इस पर पुलिस टीम ने युवक का पता लगाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। इस बीच पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे जिम्मेदार नागरिक होने के नाते सोशल मीडिया मंच पर कोई भी भ्रामक, भड़काऊ, साम्प्रदायक सोहार्द्र बिगाड़ने वाली, देश विरोधी पोस्ट न करें।

सीमावर्ती इलाकों में कई रेल सेवाएं प्रभावित

जयपुर। भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव के बीच 'ब्लैकआउट' के कारण राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में कई रेल सेवाएं प्रभावित हुई हैं। रेलवे के एक प्रवक्ता ने बताया कि 'ब्लैकआउट' और आपातकालीन परिस्थितियों के कारण रेल यातायात प्रभावित हुआ है। कई रेलगाड़ियां रद्द की गई हैं तो कई अपने निर्धारित समय से देरी से चल रही हैं। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार उत्तर पश्चिम रेलवे में भगत की कोठी-बाड़मेर, बाड़मेर-भगत की कोठी, मुनाबावबाड़मेर व बाड़मेर-मुनाबाव रेल सेवा नौ मई को रद्द रहेगी।

इसी तरह, जोधपुर-दादर एक्सप्रेस रेल सेवा जोधपुर से अपने निर्धारित समय से तीन घंटे की देरी से चल रही है। कई और रेलगाड़ियों का परिचालन भी प्रभावित है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के साथ सीमा पर बढ़ते तनाव के कारण राजस्थान के सीमावर्ती जोधपुर, जैसलमेर, बीकानेर व गंगानगर जिले 'अलर्ट' पर हैं।

आतंकवादी मानसिकता पूरी तरह होगी परास्त : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा है कि पाकिस्तान के कायराना हरकत के बाद जिस तरह भारत की शौर्यवान सेना हौसले के साथ आतंकवादियों और उनको पालने, पोषने वाले आकाओं को माकूल जवाब दे रही है, उससे मानवता की विजय होगी और आतंकवादी मानसिकता हमेशा के लिए परास्त हो जाएगी। शेखावत शुक्रवार को अपने गृह जिले पहुंचने पर मीडिया से बात करते हुए यह बात कही। उन्होंने दो टूक कहा कि उरी और पुलवामा हमले के बाद भी हमारी सेनाओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशन में सर्जिकल और एयर स्ट्राइक करके पूरी दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दिया था कि नया, समर्थ और सशक्त भारत अब घर में घुसकर मारने वाला भारत है।

भारत अपनी धरती पर होने वाले किसी भी गतिविधि को दुनिया की किसी भी धरती से बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि लंबे अंतराल से जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद समाप्त हो रहा था लेकिन इसे चुनौती देते हुए आतंकवादियों ने जिस तरह कायराना रूप से पहलगाम में हमारे 26 निर्दोष सैलानियों और नागरिकों को मौत के घाट उतारा, वह किसी भी स्थिति में बर्दाश्त के लायक नहीं था।

इस कायराना हरकत के बाद भी दंभ भरा जा रहा था। उन्होंने कहा कि मोदी का ऐलान कि देश की अस्मिता पर हमला करने वाले ऐसे आतंकवादियों और उनको पल्लवित और पोषित करने वाले आकाओं को उनकी कल्पना से बड़ी और कड़ी सजा मिलेगी, हमारी शौर्यवान सेनाओं द्वारा दिया जा रहा माकूल जवाब उसी का परिणाम है।

शेखावत ने कहा कि भारत जहां आतंकवाद को समाप्त करने की लड़ाई लड़ रहा है वहीं पाकिस्तान हमारे सैन्य ठिकानों और सिविलियन क्षेत्रों को निशाना बनाने की कायराना हरकत कर रहा है, जिसका भारत की सेना ने मुंहतोड़ जवाब देने का हौसला दिखाकर बता दिया है कि उसकी यह कायराना हरकत बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हमारी शौर्यवान सेनाओं ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और अन्य जगहों पर आतंकवादियों के ऐसे सारे ठिकानों को पूरी तरह नेस्तनाबूंद कर दिया है जो पिछले कई वर्षों से भारत में होने वाले आतंकवादी हमलों के सूत्रधार रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीमाओं पर खड़े हमारे सजग प्रहरियों की वजह से देश सुरक्षित है। देश के हर व्यक्ति को अपने सैनिकों पर पूरा भरोसा और विश्वास है और देश की जनता अपनी शौर्यवान सेनाओं के साथ पूरी ऊर्जा के साथ खड़ी है। इस लड़ाई में आतंकवादी मानसिकता पूरी तरह परास्त हो जाएगी।

जैसलमेर के किशनघाट इलाके में बम जैसी वस्तु बरामद; इलाके की घेराबंदी

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान के जैसलमेर के किशनघाट इलाके में शुक्रवार की सुबह बम जैसी वस्तु मिली, जिसके बाद स्थानीय पुलिस और वायुसेना ने इलाके की घेराबंदी कर दी। पुलिस के अनुसार, यह वस्तु कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत किशनघाट के सामने स्थित जोगियों की बस्ती में एक नर्सरी के पास पड़ी दिखी। कोतवाली के थानाधिकारी प्रेम दान ने बताया कि यह बम जैसी वस्तु लग रही है और सेना के विशेषज्ञ इसे निष्क्रिय करने के लिए किशनघाट जा रहे हैं। उन्होंने कहा, फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि यह बम जैसी वस्तु किस स्थिति में है, यह जिंदा है

या नष्ट हो गई है। स्थानीय निवासी अर्जुन नाथ ने वस्तु को देखा और तुरंत किशनघाट के सरपंच प्रतिनिधि कल्याण राम को सूचित किया, जिन्होंने अधिकारियों को इसके बारे में बताया। उन्होंने बताया कि इसके बाद स्थानीय पुलिस और भारतीय वायुसेना की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं। एहतियात के तौर पर इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और आगे की जांच जारी है।

जानकारों के अनुसार, यह वस्तु बृहस्पतिवार रात करीब 10.30 बजे जैसलमेर की ओर पाकिस्तान द्वारा भेजे गए ड्रोन के हिस्सों जैसी दिख रही थी। हालांकि, आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। अधिकारियों ने निवासियों से शांत रहने और सुरक्षा निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया है। क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

राजस्थान सोलर पम्प स्थापना में देश के प्रथम तीन राज्यों में शामिल : किरोड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डा किरोड़ी लाल मीणा ने शुक्रवार को उत्तराखण्ड राज्य के कृषि मंत्री गणेश जोशी से यहां मुलाकात की और इस दौरान एग्रो प्रोसेसिंग यूनिट, ऑर्गेनिक खेती, बीज उत्पादन, जी आई टैग, जैतून और मिलेटस उत्पादन पर चर्चा की गई।

इस दौरान राजस्थान और उत्तराखण्ड में विविधिकरण और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। बैठक में दोनों राज्यों में जो भी फसल, फल एवं सब्जियां आदि जलवायु उपयुक्त हैं, उन्हें बढ़ाने पर जोर दिया गया। जोशी ने बताया कि वहां नेचुरल फार्मिंग, ओषधिय पौधे और सुगन्धित फूल, शहद और ड्रेगन फ्रूट आदि की अच्छी पैदावार होती है, जिनमें से जलवायु अनुकूल पौधों की किस्मों को राजस्थान में भी लगाया जा सकता है।

उन्होंने राजस्थान से एक प्रतिनिधि मण्ड़ल को उत्तराखण्ड और उत्तराखण्ड से एक प्रतिनिधिमण्ड़ल को राजस्थान भेजने का भी प्रस्ताव रखा। प्रतिनिधिमण्ड़ल एक-दूसरे राज्य की योजनाओं एवं उत्पादित की जा रही फसलों एवं फलों का अध्ययन कर अपने-अपने राज्य में जनकल्याणकारी योजनाओं को अपनाकर किसान हित में कार्य कर सकेंगे। डा मीणा ने बताया कि सोलर पम्प संयंत्र स्थापना में हमारा प्रदेश देश के प्रथम तीन राज्यों में से एक है और मिलेटस उत्पादन में भी सर्वोपरि है। प्रदेश में रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम से कम करने और नैनो यूरिया और डीएपी के उपयोग पर जोर दिया जा रहा है। सरकार द्वारा अधिक से अधिक कृषि उत्पादों को जी आई टैग दिलाये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं, जिससे कृषकों को जी आई टैग प्राप्त फसलों का उचित मूल्य मिल सकेगा और प्रदेश का कृषक आर्थिक रूप से मजबूत बन सकेगा। जोशी ने बताया कि मिलेटस को बढ़ावा देने के लिए मिलेटस बीज पर राज्य सरकार द्वारा सब्सिड़ी दी जा रही है। मशरूम उत्पादन राज्य में पूरे सालभर किया जाता है। बुरांश फ्लावर का बहुतायत मात्रा में उत्पादन किया जाता है। बुरांश के फूलों से बना शर्बत हृदय रोगियों के लिए अत्यन्त लाभकारी माना जाता है।

भजनलाल शर्मा ने की आपदा प्रबंधन पर मंत्रिमंडल की बैठक, सीमावर्ती क्षेत्रों में तैयारियां तेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को सीएमओ में राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक हुई। बैठक में भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण स्थिति को लेकर सीमावर्ती राज्यों में हालातो पर प्रशासनिक एवं आपदा राहत तैयारियों की समीक्षा की गई। सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में मंत्रिमंडल की बैठक के बाद डिप्टी सीएम डॉ. प्रेमचंद बैरवा और मंत्री जोगाराम ने प्रेस ब्रीफिंग की। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान सीमा से सटे क्षेत्रों की मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह बैठक आयोजित की गई। सीमावर्ती जिलों जैसलमेर, बीकानेर, गंगानगर और हनुमानगढ़ में आपातकालीन व्यवस्थाओं के लिए कुल 19 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। डिप्टी सीएम ने बताया कि सीमावर्ती जिलों में चिकित्सा साधनों, एंबुलेंस, पानी, ब्लड बैंक कैंप और अस्पतालों के बिस्तरों की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। आकस्मिक स्थिति में सरकारी भवनों को खाली रखने और सुरक्षित स्थान चिह्नित करने के निर्देश दिए गए हैं। डॉ. बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा लगातार स्थिति की मॉनिटरिंग कर रहे हैं और केंद्र सरकार के एडवाइजरी का पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की और संकट प्रबंधन में सहयोग देने के लिए पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सेना का आभार व्यक्त किया। सभी विभागों में कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं और प्रशासनिक तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं।

नहीं दूसरी ओर मंत्रिमंडल की बैठक को लेकर मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने बताया कि मुख्यमंत्री ने सीमावर्ती क्षेत्रों में किए गए उपायों की जानकारी दी। उन्होंने चिकित्सा, स्वास्थ्य और अन्य मूलभूत सुविधाओं पर जोर देते हुए संबंधित विभागों को निर्देश दिए। सीमावर्ती इलाकों में अतिरिक्त डॉक्टरों की तैनाती और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मेडिकल विभाग को विशेष दिशा-निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को निर्देश दिया कि अस्पतालों में आईसीयू और बेड की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

साथ ही, सभी मंत्रियों को जयपुर में रहकर स्थिति पर नजर बनाए रखने और आवश्यक तैयारी करने के लिए कहा गया है। इसके बाद मंत्री अपने क्षेत्रों का दौरा कर सकते हैं। इस बैठक को राज्य में आपदा प्रबंधन और राहत कार्यों को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पंजाब और राजस्थान में तनाव के बीच कट रही हैं लोगों की रातें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/जैसलमेर। स्कूल बंद हैं, सड़कें और गलियां सूनी हैं, अधिकतर लोग अपने घरों के भीतर ही हैं और बीच-बीच में सायरन बज उठता है। भारत-पाकिस्तान तनाव के कारण देश के सीमावर्ती जिलों का अभी यही हाल है। शुक्रवार की सुबह यहां के बाशिंदे के लिए कुछ तनावपूर्ण थी। तनावपूर्ण रात के बाद शुक्रवार की सुबह इन जिलों में जनजीवन तो सामान्य रहा, लेकिन एक अजीब सी खामोशी के बीच लोगों के चेहरे पर चिंता की लकीरें साफ झलक रही थीं। वह रात बहुत तनावपूर्ण थी। भारत और उसके उग्र पड़ोसी पाकिस्तान के मध्य युद्ध की आशंका के बीच इन सीमावर्ती जिलों में बिजली गुल रही, तेज धमाके खामोशी को चीर रहे थे और लोग काफी डरे हुए थे क्योंकि उनके घर सीमा पर स्थित हैं।

हालांकि, बिना किसी अप्रिय घटना के रात कट गई और राजस्थान एवं पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों ने राहत की सांस ली। पाकिस्तान के साथ पंजाब 532 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है, जबकि राजस्थान पड़ोसी देश के साथ करीब 1,070 किलोमीटर की सीमा साझा करता है। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच अधिकारियों ने अमृतसर, पठानकोट, फिरोजपुर और गुरदासपुर समेत पंजाब के कई सीमावर्ती जिलों में बृहस्पतिवार को पूरी तरह से 'ब्लैकआउट' कर दिया था, जिससे लोगों ने चिंता में रात बिताई। पठानकोट में कुछ स्थानीय लोगों ने दावा किया था कि उन्होंने बृहस्पतिवार रात को विस्फोट जैसी आवाजें सुनी थीं, हालांकि शुक्रवार सुबह शांति बनी रही। कुछ स्थानीय लोगों ने कहा कि वे घटनाक्रम को लेकर चिंतित हैं लेकिन भारत के सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान के प्रयासों को तुरंत विफल किए जाने के कारण वे आश्वस्त हैं। अमृतसर और फिरोजपुर जैसे प्रमुख सीमावर्ती जिलों में भी शुक्रवार सुबह शांति रही। फिरोजपुर के कुछ निवासियों ने 'पीटीआई-वीडियो' को बताया कि शुक्रवार सुबह माहौल काफी हद तक शांत रहा, लेकिन वे अफवाहों के फैलने से अधिक आशंकित हैं।

बठिंडा में एक स्थानीय व्यक्ति ने 'पीटीआई-वीडियो' को बताया, 'ब्लैकआउट' के बीच आधी रात तक गोलीबारी की बहुत आवाजें आती रहीं। हमने रात डर के साये में बिताई, लेकिन आज सुबह सब कुछ शांत था। बढ़ते तनाव के बीच मोहाली और रूपनगर समेत राज्य के कुछ गुरुद्वारों में शांति के लिए विशेष प्रार्थनाएं भी की गईं। चंडीगढ़ में शुक्रवार को सुबह की नियमित सैर पर निकले एक बुजुर्ग बलदेव चंद ने कहा कि पिछली रात कुछ चिंताजनक क्षण थे लेकिन भारतीय सशस्त्र बलों ने जिस तरह से पाकिस्तान के प्रयासों को विफल किया उसे देखकर लगता है कि चिंता की कोई बात नहीं है। हालांकि, केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासन ने बाद में फिर से सायरन बजाया और लोगों से अपने अपने घरों में रहने की अपील की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, हमले की आशंका के मद्देनजर वायु सेना अड्डे से हवाई चेतावनी मिली है। सायरन बजाए जा रहे हैं। सभी को अपने अपने घरों में रहने और बालकनी में नहीं जाने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने कहा कि एक घंटे बाद चेतावनी के लिए सायरन बजना बंद हो गया। हरियाणा के पंचकूला और अंबाला में भी कुछ देर के लिए इसी तरह के सायरन की आवाज सुनी गई और लोगों से अपने अपने घरों में रहने की अपील की गई। पटियाला में जिला प्रशासन ने भी परामर्श जारी कर लोगों से अपने अपने घरों के अंदर रहने तथा शांत रहने की अपील की। राजस्थान के सीमावर्ती जिलों के लोगों ने भी तेज धमाके की आवाजों और पूरी तरह से 'ब्लैकआउट' के बीच डर और अनिश्चितता में रात गुजारी। पाकिस्तान की सीमा से लगे जैसलमेर के एक निवासी ने कहा, हम कुछ भी नहीं देख पा रहे थे, हमने तेज आवाजें सुनीं जो डरावनी थीं। एक अन्य निवासी ने कहा, 'ब्लैकआउट' के बाद हम समझ नहीं पाए कि क्या हो रहा है। बाद में हमें पता चला कि यह पाकिस्तान द्वारा किया गया हमला था, जिसे हमारे सशस्त्र बलों ने विफल कर दिया।इस बीच, शुक्रवार सुबह जैसलमेर जिले के किशनघाट इलाके में बम जैसी वस्तु मिली, जिसके बाद स्थानीय पुलिस और वायु सेना ने त्वरित कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, वस्तु किशनघाट के सामने एक नर्सरी के पास मिली। कोतवाली थाना प्रभारी (एसएचओ) प्रेम दान ने कहा कि यह एक बम जैसी वस्तु प्रतीत हो रही थी। एसएचओ ने कहा, फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि यह नष्ट हो गई या अब भी ठीक अवस्था में है।

राजस्थान स्टेट गैस द्वारा सीएनजी स्टेशनों पर सुरक्षा मानकों की सख्ती के निर्देश

जयपुर। राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस के प्रबंध निदेशक रणवीर सिंह ने राजस्थान स्टेट गैस के कोटा, नीमराणा और कूकस में संचालित सीएनजी स्टेशनों पर सुरक्षा मानकों की सख्ती से पालना के निर्देश दिए है। उन्होंने कार्मिकों को सख्ती से हिदायत दी है कि सोशियल मीडिया पर किसी भी तरह की अनावश्यक प्रतिक्रिया भी ना करें।

एमडी रणवीर सिंह शुक्रवार को राजस्थान स्टेट गैस के अधिकारियों व कार्मिकों से वर्चुअली संवाद कायम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि तनावपूर्ण हालात को देखते हुए हमें सतर्क व सजग रहना होगा। मॉक ड्रील सहित आवश्यक सभी सुरक्षा मानकों की पालना के साथ ही ब्लेक आउट की स्थिति में सरकार द्वारा जारी आवश्यक दिशा-निर्देशों की सख्ती से पालना की जाए। उन्होंने सीएनजी स्टेशन पर आने वाले उपभोक्ताओं को भी सुरक्षा मानकों के प्रति सचेत करने की आवश्यकता प्रतिपादित की।

रणवीर सिंह ने सीएनजी स्टेशनों आदि संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने और स्टेशनों पर कंप्रेसर जैसे क्षेत्रों में अनाधिकृत प्रवेश पर रोक लगाने को कहा। डीजीएम सीएनपी विवेक श्रीवास्तव व डीजीएम मार्केटिंग विवेक रंजन ने डीपीएनजी व सीएनजी एरिया में लिक डिटेक्शन टेस्ट कराने की आवश्यकता प्रतिपादित की। वर्चुअल बैठक में कोटा डीजीएम ओएण्डएम सीपी चौधरी और डीजीएम प्रोजेक्ट आनन्द आर्य ने विस्तार से आवश्यक तैयारियों की जानकारी दी। नीमराणा मैनेजर अतुल शुक्ला ने भी उठाये गये कदमों की जानकारी दी। सीएफओ दीप्तांशु पारीक और डीएम आईटी गगनदीप राजोरिया ने सरकार के दिशा-निर्देशों की जानकारी के साथ ही उनकी पालना सुनिश्चित करने को कहा।

ओडिशा ने समुद्री तटों और मिसाइल परीक्षण केंद्र के निकट सुरक्षा बढ़ाई : माझी

भुवनेश्वर/भाषा। भारत और पाकिस्तान में जारी सैन्य संघर्ष के बीच ओडिशा ने अपने समुद्री तटों और चांदीपुर में मिसाइल परीक्षण केंद्र व पुरी में जगन्नाथ मंदिर जैसे प्रमुख प्रतिष्ठानों के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है। राज्य के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। चांदीपुर मिसाइल परीक्षण केंद्र और पुरी जगन्नाथ मंदिर समुद्री तट के किनारे स्थित हैं। माझी ने कहा कि हालांकि, तटीय राज्य (ओडिशा) पाकिस्तान की सीमा से बहुत दूर है, फिर भी बंगाल की खाड़ी के रास्ते खतरा बना हुआ है।

उन्होंने यह एक कार्यक्रम के इतर कहा कि ओडिशा सरकार ने केंद्र के सहयोग से राज्य में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए सभी कदम उठाए हैं। माझी ने कहा, ओडिशा के मामले में पाकिस्तान से सीधा कोई खतरा नहीं है। हालांकि, हमारे पास चांदीपुर में मिसाइल परीक्षण केंद्र, पुरी जगन्नाथ मंदिर और कुछ अन्य प्रमुख प्रतिष्ठान हैं, जो बंगाल की खाड़ी में जल मार्ग के माध्यम से संभावित लक्ष्य हो सकते हैं। लिहाजा, तटीय सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के लिए एक और दौर की उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की जा रही है। माझी ने कहा, कड़ी सुरक्षा जांच लागू की जाएगी... संवेदनशील क्षेत्रों को सील करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। भारत पहलगाम हमले के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू करके आतंकवादियों का सफाया कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दुनिया का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा, भारत पाकिस्तान के हमलों का सफलतापूर्वक जवाब दे रहा है, लेकिन वे हमारी जवाबी कार्रवाई के सामने टिक नहीं पा रहे हैं।

राजनाथ ने सीडीएस, तीनों सेना प्रमुखों के साथ बैठक कर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शीर्ष सैन्य नेतृत्व के साथ शुक्रवार को बैठक कर राष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य की व्यापक समीक्षा की। यह समीक्षा भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की पाकिस्तान की कोशिशों को विफल किए जाने के एक दिन बाद की गयी।

बताया जा रहा है कि सुरक्षा संबंधी बदलते हालात से जुड़े हर पहलू पर बैठक में चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह शामिल हुए। भारत ने बृहस्पतिवार रात को जम्मू, पठानकोट, उधमपुर एवं कुछ अन्य स्थानों में सैन्य प्रतिष्ठानों पर पाकिस्तान द्वारा मिसाइल एवं ड्रोन से हमला किए जाने के प्रयासों को विफल कर दिया। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, ''रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिमी सीमा पर सुरक्षा संबंधी स्थिति और भारतीय सशस्त्र बलों की अभियानगत तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।'' भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के प्रयासों को विफल किए जाने के बाद रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारत ''अपनी संप्रभुता की रक्षा करने और अपने लोगों की रक्षा करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।'' भारतीय सैन्य अधिकारियों ने बताया कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तानी ड्रोन एवं मिसाइलों का प्रभावी तरीके से मुकाबला किया तथा दुश्मन के प्रयासों को विफल कर दिया। पाकिस्तान ने 24 घंटे से कम समय पहले भी भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की इसी तरह की कोशिश की थी। रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार दोपहर को बताया था कि भारतीय सशस्त्र बलों ने मिसाइल और ड्रोन का उपयोग करके देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों के 15 शहरों में स्थित सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की पाकिस्तान की कोशिशों को विफल कर दिया। उसने बताया था कि पाकिस्तानी सेना ने बुधवार रात को अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, नल, फलोदी, उत्तरलाई और भुज को निशाना बनाने का प्रयास किया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2025 ना केवल सफल रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा स्रोत बनेगा : जाधव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा है कि इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन ना केवल सफल रहेगा बल्कि पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा स्रोत भी बनेगा।

हर साल 21 जून को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर 2015 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसकी शुरुआत किए जाने के बाद से एक वैश्विक सांस्कृतिक और कल्याण आंदोलन बन गया है। मंत्री ने आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन को लेकर जारी तैयारियों का आकलन करने के लिए नौ मई को यहां एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। योग दिवस 21 जून को दुनिया भर में मनाया जाएगा। बैठक के दौरान, जाधव ने इस वर्ष के योग दिवस को सही मायने में असाधारण और वैश्विक रूप से प्रभावशाली बनाने के लिए सरकार के दृष्टिकोण को दोहराया। अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा ''हम यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ काम करेंगे कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2025 को ना केवल बड़ी सफलता मिले, बल्कि यह पूरे विश्व के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बने।'' उन्होंने सभी हितधारकों को इस आयोजन को नई ऊर्जा और एकता के साथ आयोजित करने लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि प्रयासों में 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' की भावना झलकनी चाहिए।

'गॉड सेंट टैक्स' ने भारत को एकजुट किया : 'गब्बर सिंह टैक्स' वाले तंज पर हिमंत ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को जीएसटी व्यवस्था को भाजपा नीत केंद्र सरकार की देन और देश की सुरक्षा और क्षमता का वित्तपोषण करने वाला बताया तथा इसे 'गॉड-सेंट टैक्स' करार दिया। शर्मा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा जीएसटी का पूरा नाम 'गब्बर सिंह टैक्स' बताए जाने को भी खारिज कर दिया।

मुख्यमंत्री ने देश में कई ठिकानों पर हमला करने के पाकिस्तान के सभी प्रयासों को विफल करने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की भी सराहना की। शर्मा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''राफेल लड़ाकू विमान और एस-400 प्रणाली यूं ही नहीं दिखते – वे हमारे करदाताओं की ताकत के बूते बने हैं।'' उन्होंने फ्रांसीसी लड़ाकू विमान और वायु रक्षा प्रणाली का जिक्र किया, जिसका इस्तेमाल भारत ने पाकिस्तान के साथ जारी सैन्य संघर्ष में किया है। उन्होंने कांग्रेस द्वारा कर व्यवस्था की आलोचना करने का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा, ''यही कारण है कि जीएसटी कभी 'गब्बर सिंह टैक्स' नहीं था, बल्कि यह 'गॉड-सेंट टैक्स' है जो भारत को एकजुट करता है और इसकी सुरक्षा, विकास और क्षमता का वित्तपोषण करता है।'' राहुल गांधी ने कई मौकों पर जीएसटी को 'गब्बर सिंह टैक्स' करार देते हुए आरोप लगाया है कि यह व्यवसायों के लिए कठोर है।

पाक के साथ सैन्य संघर्ष के मद्देनजर कोलकाता बंदरगाह की सुरक्षा बढ़ायी गई

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के श्यामाप्रसाद मुखर्जी बंदरगाह ने पाकिस्तान के साथ चल रहे सैन्य संघर्ष के मद्देनजर अपने सुरक्षा प्रोटोकॉल और परिचालन सतर्कता में बढ़ोतरी की है। बंदरगाह के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय तथा पोत परिवहन महानिदेशालय के निर्देशों के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई। बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के सचिव टी.के. रामचंद्रन द्वारा सभी बंदरगाह अधिकारियों के साथ डिजिटल माध्यम से एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कोलकाता बंदरगाह के अध्यक्ष राथेंद्र रमन, उपाध्यक्ष सम्राट राही, वरिष्ठ सीआईएसएफ कमांडेंट रुचि आनंद और विभागीय प्रमुखों सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के बाद, बंदरगाह के अध्यक्ष ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा के लिए बैठक की तथा कई उपायों की घोषणा की। सभी कर्मियों को सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने का निर्देश दिया गया है। यद्यपि कोलकाता बंदरगाह देश के पूर्वी भाग में स्थित है और सुरक्षा संबंधी खतरे मुख्य रूप से पश्चिमी और उत्तरी क्षेत्रों में हैं, फिर भी कोलकाता बंदरगाह सुरक्षा के मोर्चे पर कोई लापरवाही नहीं बरत रहा है। रमन ने कहा, श्यामाप्रसाद मुखर्जी बंदरगाह, कोलकाता में हमारे लोगों, संपत्ति और जहाजों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। वर्तमान राष्ट्रीय सुरक्षा स्थिति को देखते हुए, सतर्क और तैयार रहना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

भारत को ललकारने वालों को मुहंतोड़ जवाब पहले भी दिया गया और आज भी दिया जाएगा: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि हिंदुस्तान के आत्मसम्मान और स्वाभिमान को ललकारने वालों को पहले भी मुंहतोड़ जवाब दिया गया है और आगे भी दिया जाएगा तथा निर्दोष लोगों की हत्या करने वालों की कीमत चुकानी होगी।

मुख्य विपक्षी दल भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति एकजुटता प्रकट करते हुए आज सभी राज्यों में 'जयहिंद यात्रा' निकालने जा रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''इतिहास गवाह है कि जब-जब किसी ने हिंदुस्तान के आत्मसम्मान और स्वाभिमान को ललकारा है, हमने उसे मुंहतोड़ जवाब दिया है। जब इस मिट्टी की रक्षा के लिए अपने खून का एक-एक कतरा कुर्बान करने का जज्बा लिए हमारे जवान हुंकार भरते हैं, तो दुश्मन का कलेजा मुंह को आ जाता है।''

उन्होंने कहा, ''एक बार फिर हमें ललकारा गया है, हमारी सहनशीलता और धैर्य की परीक्षा ली गई है। दहशतगर्दों ने हमारे निर्दोष लोगों की बेरहमी से जान ले ली, उन्हें इसकी कीमत चुकानी ही पड़ेगी।'' रमेश का कहना था, ''कांग्रेस का एक एक कार्यकर्ता इस मुश्किल घड़ी में अपने देश की सेना के साथ खड़ा है। हम हमारे शूरवीरों के समर्थन में आज पूरे देश में 'जय हिंद यात्रा' निकाल रहे हैं। हमें अपने सैनिकों पर गर्व है। जय हिंद की सेना।''

भारत-पाक तनाव: एचसीएलटेक की चंडीगढ़, गुरुग्राम, नोएडा में घर से काम करने की घोषणा

नई दिल्ली/भाषा। भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पार टकराव बढ़ने के मद्देनजर आईटी कंपनी एचसीएलटेक ने शुक्रवार को चंडीगढ़, गुरुग्राम और नोएडा कार्यालयों में कर्मचारियों के लिए घर से काम करने (डब्ल्यूएफएच) का निर्देश दिया। सूत्रों ने बताया कि डब्ल्यूएफएच व्यवस्था को आगे बढ़ाने पर पर फैसला रविवार को सरकारी परामर्श और मौजूदा सुरक्षा स्थिति के आधार पर लिया जाएगा। कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर दोनों परमाणु हथियार संपन्न पड़ोसियों द्वारा किए गए ड्रोन और गोलाबारी के बाद बढ़ी सुरक्षा चिंताओं के बीच यह फैसला लिया गया है। गौरतलब है कि पाकिस्तान की सेना ने आठ-नौ मई की रात को ड्रोन तथा अन्य हथियारों का इस्तेमाल करते हुए पूरे पश्चिमी सीमा क्षेत्र में कई हमले किए, जिसके बाद जम्मू-कश्मीर तथा पंजाब के कई शहरों में ब्लैकआउट कर दिया गया। भारतीय सेना ने कहा कि हमलों को '' प्रभावी ढंग से विफल '' कर दिया गया है।

संभल हिंसा में शामिल एक और आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, अब तक 84 जेल भेजे गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल (उप्र)/भाषा। संभल जिले में पिछले साल नवंबर में हुई हिंसा के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

उसका कहना है कि इस मामले में अब तक 84 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। संभल पुलिस द्वारा जारी एक बयान के अनुसार नखासा थाना क्षेत्र में पिछले वर्ष 24 नवम्बर को शाही जामा मस्जिद में सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा के सिलसिले में हब्बू उर्फ हसीब (25) को गिरफ्तार किया गया है।

इस हिंसा में चार लोग मारे गये थे और अन्य कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बयान के अनुसार हसीब ने पूछताछ में बताया कि 24 नवंबर को जामा मस्जिद में सर्वेक्षण के दौरान हिंदू पुरा खेड़ा और नखासा चौराहा पर भीड़ जुटी थी, उसने पथराव किया था और पुलिस की गाड़ियों में आग लगा दी थी।

बयान के अनुसार आरोपी को गिरफ्तार कर विधिक प्रक्रिया पूरी कर जेल भेज दिया गया है।

संभल में 24 नवंबर को हुई हिंसा मामले में अब तक 84 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

युद्ध किसी मुद्दे का समाधान नहीं, आपसी बातचीत से मुद्दे सुलझाने चाहिए: पर्सनल लॉ बोर्ड

नई दिल्ली/भाषा। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के मद्देनजर कहा है कि देशों को आपसी बातचीत से मुद्दों को सुलझाना चाहिए क्योंकि युद्ध किसी मुद्दे का समाधान नहीं हो सकता। बोर्ड ने एक प्रस्ताव में आतंकवाद पर चिंता भी जताई और कहा कि वह देश की सुरक्षा के लिए उठाए जाने वाले हर कदम का समर्थन करता है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के पदाधिकारियों की बृहस्पतिवार एक ऑनलाइन बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया। प्रस्ताव में कहा गया है, ''ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव को काफी चिंता की नजर से देखता है। यह राष्ट्र और उसके लोगों की रक्षा और सुरक्षा के लिए उठाए गए हर आवश्यक कदम का समर्थन करता है और इस बात पर जोर देता है कि इस महत्वपूर्ण समय में जनता, राजनीतिक दलों, सशस्त्र बलों और सरकार को इन खतरों का सामना करने के लिए एक साथ आना चाहिए।'' बोर्ड ने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद और निर्दोष नागरिकों की हत्या गंभीर चिंता का विषय है और इस्लाम के मान्यता प्राप्त सिद्धांतों और मानवीय मूल्यों में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। उसने कहा, ''देशों को अपने मामले द्विपक्षीय बातचीत और चर्चा के जरिए सुलझाने चाहिए। यह भी एक सच्चाई है कि युद्ध किसी भी मुद्दे का समाधान नहीं है, खासकर परमाणु हथियारों की मौजूदगी में, भारत और पाकिस्तान युद्ध बर्दाश्त नहीं कर सकते।''

कांग्रेस ने देश भर में निकाली 'जयहिंद यात्रा', सशस्त्र बलों के पक्ष में एकजुटता प्रकट की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता और भारत-पाकिस्तान में सैन्य संघर्ष के बीच शुक्रवार को विभिन्न राज्यों में सशस्त्र बलों के प्रति एकजुटता प्रकट करते हुए 'जय हिंद यात्रा' निकाली।

इस यात्रा में शामिल नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा लेकर 'भारतीय सेना जिंदाबाद', 'भारत माता की जय', 'हमारे सैनिक, हमारा गौरव हैं' और 'जय हिंद' के नारे लगाए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि इतिहास इस बात का गवाह है कि हिंदुस्तान के आत्मसम्मान और स्वाभिमान को ललकारने वालों को पहले भी मुंहतोड़ जवाब दिया गया है और आगे भी दिया जाएगा तथा निर्दोष लोगों की हत्या करने वालों की कीमत चुकानी होगी। नई दिल्ली में यह यात्रा जंतर-मतर से शुरू हुई और इसका समापन युवा कांग्रेस के मुख्यालय के निकट हुआ। इसमें कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, कोषाध्यक्ष अजय माकन, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पार्टी महासचिव सचिन पायलट, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव, प्रभारी काजी निजामुद्दीन और कई अन्य नेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, असम, बिहार, झारखंड, गुजरात और अन्य राज्यों की प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने 'जयहिंद यात्रा' निकाली और भारतीय सशस्त्र बलों के शौर्य का बखान किया।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''इतिहास गवाह है कि जब-जब किसी ने हिंदुस्तान के आत्मसम्मान और स्वाभिमान को ललकारा है, हमने उसे मुंहतोड़ जवाब दिया है। जब इस मिट्टी की रक्षा के लिए अपने खून का एक-एक कतरा कुर्बान करने का जज्बा लिए हमारे जवान हुंकार भरते हैं, तो दुश्मन का कलेजा मुंह को आ जाता है।'' उन्होंने कहा, ''एक बार फिर हमें ललकारा गया है, हमारी सहनशीलता और धैर्य की परीक्षा ली गई है। दहशतगर्दों ने हमारे निर्दोष लोगों की बेरहमी से जान ले ली, उन्हें इसकी कीमत चुकानी ही पड़ेगी।''

क्षेत्र में शांति का माहौल बनाने के लिए सैन्य कार्रवाई कोई समाधान नहीं : महबूबा मुफ्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने भारत और पाकिस्तान के बीच मुद्दों को सुलझाने के लिए राजनीतिक हस्तक्षेप का आह्वान करते हुए शुक्रवार को कहा कि क्षेत्र में शांति का माहौल बनाने के लिए सैन्य कार्रवाई कोई समाधान नहीं हो सकती।

मुफ्ती ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दोनों देशों के नेतृत्व से संयम बरतने और एक-दूसरे पर हमले तत्काल रोकने की अपील की। उन्होंने कहा, ''पुलवामा और पहलगाम दो ऐसी घटनाएं हैं, जिन्होंने दोनों देशों को तबाही के कगार पर ला खड़ा किया है। यदि यह ऐसे ही चलता रहा तो पूरी दुनिया के लिए खतरा है।'' उन्होंने कहा, ''चाहे वह करगिल हो, पुलवामा हो, पहलगाम हो या पठानकोट, हमने देखा है कि जब भी कोई सैन्य कार्रवाई होती है, तो वह केवल लक्षणों का इलाज करती है, समस्या के मूल कारण का इलाज नहीं करती है। इससे कोई समाधान नहीं निकलता और स्थायी शांति बनाए रखने में भी मदद नहीं मिलती।'' पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सैन्य हस्तक्षेप से कुछ भी हासिल नहीं किया जा सकता।

पाकिस्तान के साथ बढ़ते संघर्ष के बीच चोपड़ा, रोहित, कोहली ने भारतीय सशस्त्र बलों का समर्थन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नीरज चोपड़ा, पीवी सिंधू, रोहित शर्मा और विराट कोहली सहित भारत की शीर्ष खेल हस्तियों ने पाकिस्तान में आतंकी ढांचे के खिलाफ देश की सैन्य कार्रवाई के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया और उन्हें 'भारत की आत्मा' करार दिया।

भारत ने जम्मू और पठानकोट सहित अपने सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला करने की पाकिस्तान की कोशिशों को गुरुवार रात को तुरंत विफल कर दिया था। रोहित ने शुक्रवार को अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, ''हर गुजरते पल के साथ, हर फैसले के साथ मुझे हमारी भारतीय सेना, भारतीय वायुसेना और भारतीय नौसेना पर बेहद गर्व महसूस होता है। हमारे योद्धा हमारे देश के गौरव के लिए खड़े हैं। प्रत्येक भारतीय के लिए जिम्मेदार होना और किसी भी फर्जी खबर को फैलाने या उस पर विश्वास करने से बचना महत्वपूर्ण है। सभी सुरक्षित रहें। ऑपरेशन सिंदूर, जय हिंद।'' कोहली ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर लिखा, ''हम इस कठिन समय में हमारे देश की रक्षा करने के लिए अपने सशस्त्र बलों के साथ एकजुटता से खड़े हैं और उन्हें सैल्यूट करते हैं। हम अपने नायकों की अटूट बहादुरी तथा उनके और उनके परिवारों द्वारा हमारे महान राष्ट्र के लिए किए गए बलिदानों के लिए तहेदिल से आभारी हैं।'' ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले चोपड़ा ने एक्स पर पोस्ट किया, ''हमें अपने बहादुर भारतीय सशस्त्र बलों पर गर्व है जो आतंकवाद के खिलाफ हमारे देश के लिए लड़ रहे हैं। आइए अपनी भूमिका निभाएं और इस दौरान सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिशानिर्देशों का पालन करें। '' ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली बैडमिंटन खिलाड़ी सिंधू ने पोस्ट किया, ''भारतीय सशस्त्र बलों के बहादुर पुरुषों और महिलाओं के लिए – आपका साहस, अनुशासन और बलिदान हमारे राष्ट्र की आत्मा हैं।

ऑपरेशन सिंदूर जैसे क्षणों में, हमें उस मौन शक्ति और निस्वार्थ सेवा की याद आती है जो हमारे तिरंगे को ऊंचा रखती है। भारत आपके साथ खड़ा है। जय हिंद। '' धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का मैच सुरक्षा कारणों से बीच में रोककर रद्द करना पड़ा था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसके बाद आईपीएल को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया।

किसान जमीन बेचकर नहीं बन सकते अमीर, उन्नत खेती ही बनेगी उनकी समृद्धि का आधार : बंगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने शुक्रवार को कहा कि किसान जमीन बेचकर अमीर नहीं बन सकते, बल्कि उन्हें समृद्ध बनने के लिए उन्नत खेती के लिए प्रोत्साहित करना होगा। बंगा शुक्रवार को अपनी टीम के साथ यहां पहुंचे, जहां उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की।

इस दौरान बंगा ने राज्य में हो रहे विकास कार्यों और मुख्यमंत्री के नेतृत्व की जमकर सराहना की। स्वागत से अभिभूत बंगा ने कहा ,'' ऐसा लग रहा है कि मानो मैं अपने घर वापस आ गया हूं। उत्तर प्रदेश में मेरा ससुराल है और 12 साल बाद यहां आकर मैं हर क्षेत्र में बदलाव देख रहा हूं। योगी आदित्यनाथ में दृष्टिकोण, दृढ़ता और ऊर्जा है।'' एक बयान के मुताबिक अजय बंगा ने कहा कि उत्तर प्रदेश का विकास भारत को वैश्विक मंच पर एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि विकसित उत्तर प्रदेश ही विकसित भारत का आधार बनेगा। बंगा ने कहा, ''किसान जमीन बेचकर अमीर नहीं बन सकते, उन्हें उन्नत खेती के लिए प्रोत्साहित करना होगा। उन्नत खेती के जरिए ही वे समृद्धि हासिल कर सकते हैं।'' उन्होंने किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों और नवाचारों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने राज्य में कृषि क्षेत्र में हो रही प्रगति की सराहना की और इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताया।

बंगा ने उत्तर प्रदेश में अवसंरचना के क्षेत्र में हुए अभूतपूर्व सुधारों, मजबूत कानून व्यवस्था और सुदृढ़ कनेक्टिविटी की प्रशंसा की। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ''दृष्टिकोण, ऊर्जा और दृढ़ संकल्प' को सराहते हुए कहा कि उनकी नीतियों ने राज्य की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है।

सुविचार

जब आप वास्तव में उन कुछ पलों के लिए हंसते हैं तो आप गहरे ध्यान की स्थिति में होते हैं। सोचना बंद हो जाता है। एक साथ हंसना और सोचना असंभव है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भ्रम फैलाने की साजिश को नाकाम करें

पाकिस्तान के खिलाफ भारत की सैन्य कार्रवाई से नागरिकों में जोश के साथ खुशी की लहर है। लोग भारतीय सशस्त्र बलों का भरपूर समर्थन करते हुए एकजुटता दिखा रहे हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर कुछ खास तरह के संदेशों का तेजी से वायरल होना चिंता का विषय है, क्योंकि उनका मकसद लोगों को भ्रमित करना और अफरा-तफरी का माहौल बनाना है। हालांकि हमारे ज्यादातर देशवासी बहुत संयम और अनुशासन का पालन कर रहे हैं, लेकिन ऐसे लोगों की संख्या भी बहुत है, जो मोबाइल फोन पर मिली हर जानकारी को सच मानकर उसे आगे बढ़ा देते हैं। इस आदत से बचना चाहिए। इन दिनों विभिन्न वॉट्सऐप समूहों में जान-बूझकर ऐसी बातों का प्रसार किया जा रहा है, जिनका हकीकत से दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं है। यह दुश्मन की एक चाल भी हो सकती है। पाकिस्तान के रावलपिंडी में आईएसपीआर नामक झूठ की एक फैक्ट्री चलती है, जिसका काम ही यह है कि किसी तरह भारतवासियों को भ्रमित किया जाए। हमारे यहां जो झूठे, भ्रामक, आधे-अधूरे और तथ्यहीन संदेश वायरल हो रहे हैं, उनके तार जरूर आईएसपीआर से जुड़ते होंगे। ऐसे ही एक संदेश में दावा किया गया है कि 'भारत-पाक तनाव के कारण कुछ दिनों के लिए एटीएम बंद हो सकते हैं!' इसके बाद कई बैंकों ने उक्त संदेश का खंडन किया। भारत में एटीएम बंद होने जैसी कोई स्थिति नहीं आने वाली, क्योंकि एक तो बैंकों का कामकाज सहज ढंग से चल रहा है, एटीएम में समयानुसार नकदी डाली जा रही है, वहीं डिजिटल पेमेंट इतना हो रहा है कि नकदी पर निर्भरता कम होती जा रही है। लिहाजा एटीएम बंद होने की बात कोरी अफवाह है।

पाकिस्तान में पहले ही दूध, घी, आटा, दाल, सब्जी, रसोई गैस, तेल आदि की कीमतें आसमान छू रही हैं। स्थिति सामान्य होने पर भी राहत मिलने के कोई संकेत नहीं हैं। उस सूरत में कीमतें बढ़ाने के लिए पाकिस्तान सरकार के पास नया बहाना होगा।

दरअसल पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ दुष्प्रचार को बढ़ावा देने के लिए इंटरनेट पर पूरी ताकत झोंक दी है। वह फर्जी संदेशों के जरिए ऐसी स्थिति पैदा करना चाहता है कि लोग घबराहट में बैंक शाखाओं व एटीएम के सामने लंबी-लंबी लाइनें लगाएं और जरूरत से ज्यादा सामान खरीद लें, ताकि हमारी अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। इसी तरह कुछ संदेशों में किया गया यह दावा भी झूठ का पुलिंदा है कि 'देश में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की किल्लत होने वाली है।' इसके समर्थन में कुछ तस्वीरें भी पोस्ट की गई हैं। भारत के पास पर्याप्त मात्रा में ईंधन है। किसी जगह पर कोई किल्लत नहीं है। हर कहीं आसानी से आपूर्ति हो रही है। फिर समस्या कहां है? असल में समस्या इस्लामाबाद, रावलपिंडी, कराची और लाहौर जैसे शहरों में है। वहां लोग घबराहट में खरीदारी कर रहे हैं। भारत की जवाबी कार्रवाई से जिस तरह पाकिस्तान पस्त होता जा रहा है, उससे जनता को डर है कि अगर यह टकराव हफ्तेभर और चला तो कंगाली के कगार पर खड़ा मुल्क इसे बर्दाश्त नहीं कर पाएगा। पाकिस्तान में पहले ही दूध, घी, आटा, दाल, सब्जी, रसोई गैस, तेल आदि की कीमतें आसमान छू रही हैं। स्थिति सामान्य होने पर भी राहत मिलने के कोई संकेत नहीं हैं। उस सूरत में कीमतें बढ़ाने के लिए पाकिस्तान सरकार के पास नया बहाना होगा। शहबाज शरीफ तर्क देंगे कि बहुत धन खर्च हो गया, अब अवाम कुर्बानी दे! भारत में नकदी, खाद्यान्न, सब्जियों, मसालों, फलों, दवाइयों, ईंधन समेत किसी चीज की कोई कमी नहीं है। बाजारों में सभी चीजें पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। इस समय न तो भ्रामक संदेशों को शेयर करें और न ही उन पर विश्वास कर घबराहट में खरीदारी करें। जागरूक रहना और सूझबूझ से काम करना भी देशभक्ति है।

ट्वीटर टॉक

देश के अमर सेनानी महाराणा प्रताप को उनकी जयंती पर कोटि-कोटि नमन। मातृभूमि के स्वाभिमान की रक्षा के लिए उन्होंने जिस साहस और शौर्य का परिचय दिया था, वह आज भी हमारे वीर-वीरांगनाओं के लिए पथ-प्रदर्शक बना है।

-नरेन्द्र मोदी

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती पर मैं उन्हें स्मरण करते हुए नमन करता हूँ। वे भारतीय इतिहास के ऐसे महानायक हैं जिन्होंने अपनी मातृभूमि के 'मान,सम्मान और स्वाभिमान' की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।

-राजनाथ सिंह

आज जोधपुर जिला प्रशासन की उच्चस्तरीय बैठक लेकर आपातकालीन परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जोधपुर जिले में त्वरित, समन्वित और व्यवस्थित प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जाए।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

ध्येय के प्रति दृढ़ता

लोकमान्य तिलक की भगवद्गीता के प्रति बहुत श्रद्धा थी। जब वे मांडले जेल में रहे, तब उन्होंने 'गीता रहस्य' नामक पुस्तक भी लिखी थी, पर यह उससे पहले की घटना है। वे अपने अन्य कार्य करते हुए 'केसरी' नामक समाचारपत्र का सम्पादन भी करते थे। एक बार उनका पुत्र बहुत बीमार था, उसकी देखभाल करते हुए भी वे समाचार पत्र का काम करते रहे। एक दिन जब वे कार्यालय में बैठे काम कर रहे थे, तो घर से सूचना आई कि बेटे की तबीयत बहुत खराब हो गई है, जल्दी आइए। उन्होंने उत्तर भिजवाया कि मैं काम पूरा करके आता हूं। तब तक चिकित्सक को बुलवा लें, क्योंकि दवा तो वह ही देगा। इसके बाद वे सम्पादकीय लिखने लगे और उसे पूरा करके ही घर गए। घर जाकर पता लगा कि बेटे ने प्राण छोड़ दिए हैं। उन्होंने इसे ईश्वर की इच्छा मानकर शांत मन से उसका अंतिम संस्कार कर दिया। यह उनकी ध्येय के प्रति दृढ़ता और मानसिक स्थिरता थी।

सामयिक

आतंक के अड्डों पर भारत का 'सिंदूरी' कहर

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिये भारत ने साबित कर दिया है कि वह अब केवल प्रतिक्रिया देने वाला देश नहीं बल्कि आतंक के स्त्रोतों पर निर्णायक और सर्जिकल प्रहार करने वाला राष्ट्र बन चुका है। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जिस तरह भारत ने सीमा पार स्थित आतंकी ठिकानों पर निशाना साधते हुए ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया, उसने न केवल पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाई बल्कि भारत की नई सैन्य नीति को भी स्पष्ट कर दिया कि अब हम चुप नहीं बैठेंगे बल्कि हम आतंक के जन्मस्थल तक जाएंगे और वहां आग लगाएंगे। यह ऑपरेशन केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, यह उस बदले हुए भारत की घोषणा थी, जो अब बातों से नहीं, बमों से जवाब देता है, जो कूटनीति की किताब बंद करके अब अपने लड़ाकू विमानों और मिसाइलों की बोली में संवाद करता है। भारतीय वायुसेना ने जब पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर में घुसकर आतंकियों के अड्डों पर सर्जिकल स्ट्राइक की तो यह महज जवाबी हमला नहीं था, यह स्पष्ट संदेश था कि भारत अब किसी आतंकी की मांद को भी सुरक्षित नहीं छोड़ेगा, चाहे वह सरहद के इस पार हो या उस पार।

ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य स्पष्ट था, उन स्थानों को ध्वस्त करना, जहां से भारत में आतंक का बीज बोया जाता है। पहलगाम हमला, जिसमें हमारे निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया गया, उसकी साजिश कहीं और नहीं, पाकिस्तान की फौज, आईएसआई और लश्कर-ए-तैयबा जैसों की सांठगांठ से ही तैयार की गई थी। भारत ने न केवल इस साजिश को समझा बल्कि उसे जड़ से उखाड़ने की भी ठान ली है। इस ऑपरेशन में भारतीय वायुसेना ने जिस साहस, रणनीति और सटीकता का परिचय दिया, वह दुनिया के किसी भी शीर्ष सैन्य बल को चुनौती देने के लिए पर्याप्त है। पाकिस्तान हमेशा से ही दोहरी भूमिका निभाता रहा है, एक ओर वह अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर शांति और वार्ता की बात करता है तो दूसरी ओर अपने क्षेत्र को आतंकियों के प्रशिक्षण केंद्र के रूप में प्रयोग करता है। भारत ने अब उस नकाब को पूरी तरह नोच फेंका है। ऑपरेशन सिंदूर ने बता दिया कि भारत अब उन भाषणों या प्रस्तावों से संतुष्ट नहीं होगा, जो संयुक्त राष्ट्र में दिए जाते हैं बल्कि उन बंकरों को नेस्तनाबूद करेगा, जहां से ये षड्यंत्र जन्म लेते हैं। भारत द्वारा यह कार्रवाई अचानक नहीं की गई बल्कि पहले खुफिया एजेंसियों के माध्यम से आतंकियों की गतिविधियों की पूरी जानकारी जुटाई गई। सैटेलाइट इमेजिंग, मानव खुफिया नेटवर्क और तकनीकी निगरानी के जरिये भारत को यह स्पष्ट हो गया था कि पाक अधिकृत कश्मीर में कुछ स्थान आतंकियों के लांच पैड के रूप में कार्य कर रहे हैं। यह भी सामने आया कि हालिया पहलगाम हमले की योजना भी यहीं से बनाई गई थी। भारत की यह नीति अब हिट ऐंड होल्ड' की है कि हमला करो, कब्जा करो और दबाव बनाए रखो। इस ऑपरेशन में सबसे प्रभावशाली बात यह रही कि भारतीय लड़ाकू विमानों ने रात के अंधेरे में बेहद सटीकता से अपने लक्ष्य साधे और सीमित समय में वहां से निकल आए। यह नो वॉर्निंग, नो वॉर' रणनीति का आदर्श उदाहरण था। पाकिस्तान के वायु रक्षा तंत्र को भनक तक नहीं लगी और जब तक वहां के सैन्य प्रतिष्ठान कुछ समझ पाते, तब तक भारत अपना काम करके वापस लौट चुका था।

इस ऑपरेशन में केवल आतंकी ठिकानों को ही नहीं, उन ठिकानों को भी निशाना बनाया गया, जहां से उन्हें रसद, हथियार और प्रशिक्षण दिया जाता था। यह केवल आतंकियों के खिलाफ नहीं बल्कि आतंक को संरक्षण देने वाली पूरी पाकिस्तानी सैन्य और खुफिया संरचना के खिलाफ कार्रवाई थी। यही कारण है कि पाकिस्तान के राजनीतिक और सैन्य गलियारों में इस ऑपरेशन के बाद सन्नाटा छा गया। हालांकि पाकिस्तान की प्रतिक्रिया पूर्वानुमेय थी, पहले इन्कार, फिर विक्टिम कार्ड खेलना और अंत में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से गुहार लगाना लेकिन अब वैश्विक परिदृश्य बदल चुका है। अमेरिका, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अन्य लोकतांत्रिक देश भारत के साथ खड़े हैं। आतंक के प्रति उनकी नीति अब स्पष्ट है कि जो आतंक को शरण देगा, वह खुद सुरक्षित नहीं रहेगा। इसीलिए, भारत द्वारा किए गए इस ऑपरेशन को विश्वभर में नैतिक समर्थन और वैधता प्राप्त हुई है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि ऑपरेशन सिंदूर का सैन्य पक्ष जितना शक्तिशाली था, उतनी ही मजबूत उसकी कूटनीतिक तैयारी भी थी। भारत ने पहले ही अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के आतंक समर्थक चेहरे को उजागर कर दिया था। एफएटीएफ जैसे मंचों पर पाकिस्तान की असफलताएं जगजाहिर हैं। ऐसे में भारत का यह सैन्य कदम उस लंबे कूटनीतिक संघर्ष का परिणामी वार था, जिसे वर्षों से संजोया जा रहा था। ऑपरेशन सिंदूर ने यह भी दिखा दिया कि भारत अब केवल एलओसी तक सीमित नहीं है। यदि आवश्यक हुआ तो भारत नियंत्रण रेखा पार करके भी अपने हितों की रक्षा कर सकता है। यह नीति पाकिस्तान के लिए स्पष्ट चेतावनी है कि यदि उसने अब भी अपने घर में पल रहे आतंकी सांपों को दूध पिलाना बंद नहीं किया तो अगली बार भारत उनके बिलों तक पहुंचेगा और उन्हें वहीं खत्म करेगा। यह भी उल्लेखनीय है कि भारत की सैन्य क्षमता अब केवल परंपरागत युद्धों तक सीमित नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर में जिन हथियारों और तकनीकों का उपयोग किया गया, उनमें राफेल जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमान, ड्रोन निगरानी, रियल टाइम सैटेलाइट डेटा और बंकर भेदी बम शामिल थे। यह सब कुछ दर्शाता है कि भारत अब एक आधुनिक, आक्रामक और निर्णायक सैन्य शक्ति बन चुका है।

पाकिस्तान की अब तक की रणनीति यही रही है कि वह भारत के धैर्य की परीक्षा लेता रहे और भारत केवल विरोध या चेतावनी तक सीमित रहे लेकिन अब वह दौर समाप्त हो गया है। भारत ने बता दिया है कि वह न केवल जवाब देगा बल्कि ऐसा जवाब देगा, जो आतंकिस्तान' को अगली साजिश रचने से पहले सौ बार सोचने पर विवश करेगा। आतंक को बढ़ावा देना अब पाकिस्तान के लिए केवल एक रणनीति नहीं, आत्मघाती कदम बन चुका है। भारत ने साबित कर दिया है कि अब न केवल सीमा की सुरक्षा करेगा बल्कि आवश्यकता पड़ी तो आतंकी नेटवर्क की जड़ों तक जाकर प्रहार करेगा। यह केवल सैन्य नीति नहीं बल्कि नई भारतीय आत्मा की आवाज है, जो शांति तो चाहती है लेकिन डरती नहीं, जो प्रेम में तो विश्वास करती है लेकिन पराजय में नहीं।

ऑपरेशन सिंदूर अब एक ऐसा उदाहरण बन गया है, जो यह बताता है कि आतंक से अब डायलॉग से नहीं, डायनामाइट से निपटना है। भारत ने यह प्रमाणित कर दिया है कि वह किसी भी कीमत पर अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, चाहे उसके लिए कितनी भी बड़ी कार्रवाई क्यों न करनी पड़े। आज भारत के पास रक्षात्मक नहीं, आक्रामक कूटनीति है। अब हम इंतजार नहीं करते कि दुश्मन कब वार करे बल्कि अब हम तय करते हैं कि कब, कहां और कैसे प्रहार करना है। यह बदलाव केवल सरकार की नीति में ही नहीं, देश की चेतना में भी है और यही चेतना ऑपरेशन सिंदूर की असली ताकत है। अब यदि पाकिस्तान यह सोचता है कि वह फिर किसी नए हमले की योजना बनाकर भारत को अस्थिर कर देगा तो उसे भली-भांति समझ लेना चाहिए कि ऑपरेशन सिंदूर' तो केवल शुरुआत है, अब हर आतंकी ठिकाने के लिए भारत के पास ऐसा जवाब है, जो न केवल आतंकियों के ठिकानों बल्कि समूचे पाकिस्तान का नाम ही विश्व के मानचित्र से गायब कर सकता है।

बोध कथा

पाप की बिक्री..

एक बार कवि कालिदास बाजार में घूमने निकले। वहां उन्होंने एक स्त्री को एक घड़ा और कुछ कटोरियां लिए ग्रहकों के इंतजार में बैठे देखा। कालिदास यह देखकर परेशानी में पड़ गए। वह उस स्त्री के पास गए। उन्होंने वहां जाकर पूछा किबहन तुम क्या बेचती हो। उस स्त्री ने कहा मैं पाप बेचती हूं। मैं स्वयं लोगों से कहती हूं कि मेरे पास पाप हैं, मर्जी हो तो ले लो। लोग रुचि से ले जाते हैं। इस जबाव को सुनकर कालिदास उलझन में पढ़ गए। उन्होंने पूछा कि घड़े में कैसे पाप हो सकता है? स्त्री बोली, हां होता है, जरूर होता है। देखो , मेरे आठ घड़े में आठ पाप भरे हैं। बुद्धिमान, पागलपन, लड़ाई-झगड़े, बेहोशी, विवेक का नाश, सदगुण का नाश, सुखों का अंत औ नर्क में ले जाने वाला दुष्कर्म। और भी हैरानी में पड़ते हुए कालिदास ने पूछा, अरे बहन। इतने सारे पाप बताती हैं आप, तो आखिर इन घड़ों में है क्या? स्त्री बोली, शराब, वह शराब ही उन सभी पापों की जननी है। जो शराब पीता है, वह व्यक्ति इन आठ पापों का शिकार हो जाता है। कालिदास उस स्त्री की चतुराई को देखकर दंग रह गए।

नजरिया

जब पानी भी हथियार बन जाए : भारत की एकता पर डाका

डॉ. सत्यवान सौरभ

मोबाइल : 9466526148

जब देश की सुरक्षा की बात होती है, तो ज़्यादातर नज़रें सरहद की ओर उठती हैं-वो रेखा जो हमें पाकिस्तान या चीन से अलग करती है। लेकिन भारत आज जिस सबसे खतरनाक युद्ध का सामना कर रहा है, वह न सीमा पर है, न दुश्मनों की गोलियों में। वह युद्ध भारत के भीतर चल रहा है-हमारी आत्मा, एकता और विचारधारा के खिलाफ। हाल ही में हरियाणा और पंजाब के बीच पानी को लेकर उठा विवाद महज एक प्रशासनिक समस्या नहीं, बल्कि भारत के संघीय ढांचे की अस्थिरता और क्षेत्रीय असंतुलन की गंभीर चेतावनी है। जब नंगल बांध का जलस्तर बढ़ा, हरियाणा में बाढ़ की स्थिति बनी, और पंजाब ने इसका जिम्मा लेने से इनकार कर दिया, तब यह सिर्फ एक राज्य का दुसरे से विरोध नहीं था। यह उस एकता का टूटना था, जिसकी नींव पर भारत खड़ा है। वहीं दूसरी ओर, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में एक हिंदू पर्यटक की आतंकी हत्या ने यह स्पष्ट कर दिया कि कुछ ताकतें आज भी भारत को धार्मिक आधार पर बांटने का प्रयास कर रही हैं, और यह प्रयास बंदूक की गोली से ही नहीं, वैचारिक ज़हर से भी किया जा रहा है।

भारत के सामने अब तीन युद्धभूमियाँ हैं-सीमाओं पर सैन्य मोर्चा, वैश्विक मंच पर कूटनीतिक मोर्चा, और देश के भीतर चल रहा वैचारिक युद्ध, जिसे मैं 'आधा मोर्चा' कहता हूँ। यह आधा मोर्चा अदृश्य है, लेकिन सबसे घातक है। यह हमारे विश्वविद्यालयों, मीडिया, सोशल मीडिया और कभी-कभी हमारी राजनीति में भी दिखाई देता है। यह मोर्चा देश को विचारों से विभाजित करता है, धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्र के नाम पर लड़वाता है, और एक सामान्य भारतीय के मन में राष्ट्र के प्रति अविश्वास भरता है। इस मोर्चे पर लड़ने वाले बहुरूपिए हैं। ये वे लोग हैं जो भारत के टुकड़े होने की कल्पना को क्रांति कहते हैं, जो भारत माता की जय को साम्प्रदायिकता समझते हैं, और जो हर आतंकी घटना को 'प्रतिक्रिया' और 'पृष्ठभूमि' के चश्मे से देखते हैं।

इनके लिए राष्ट्र कोई भावना नहीं, बल्कि आलोचना का विषय है। जब भारत की सेना शौर्य दिखाती है, तो इन्हें मानवाधिकार याद आते हैं। जब भारत वैज्ञानिक उपलब्धियाँ हासिल करता है, तो ये गरीबी और भुखमरी' की याद दिलाते हैं। जब भारत वैश्विक मंच पर सम्मान पाता है, तो ये इसकी तुलना तानाशाही' से करने लगते हैं। यह 'विचारधारा' धीरे-धीरे युवाओं को अपने जाल में लपेट रही है। विश्वविद्यालय, जो चरित्र निर्माण के केंद्र होने चाहिए, अब राष्ट्रविरोधी नारों की प्रयोगशाला बनते जा रहे हैं। एक समय था जब शिक्षा का उद्देश्य था - सा विद्या या विमुक्तये यानी जो मुक्त करे वही विद्या है। लेकिन आज की शिक्षा युवाओं को उलझा रही है-इतिहास को विकृत कर, स्वतंत्रता सेनानियों को जातियों में बांट कर, और राष्ट्र की अवधारणा को 'सांस्कृतिक वर्चस्व' का नाम देकर।

सोशल मीडिया ने इस आधे मोर्चे को धारदार बना दिया है। ट्विटर, इंस्टाग्राम, फेसबुक और यूट्यूब पर एक संगठित प्रयास दिखता है, जिसमें भारत को 'हिंदू राष्ट्र', 'मनुवादी शासन', 'अल्पसंख्यक विरोधी देश' जैसे टैग दिए जाते हैं। ये टैग न केवल अंतरराष्ट्रीय छवि को प्रभावित करते हैं, बल्कि एक आम भारतीय को भी भ्रमित कर देते हैं। एक आम मुसलमान डर में जीने लगता है, एक आम दलित अलग-थलग महसूस करने लगता है, और एक सामान्य हिंदू अपराधबोध में जीने लगता है।

लेकिन यह वैचारिक युद्ध सिर्फ अकादमिक बहस या सोशल मीडिया पोस्ट तक सीमित नहीं है। इसके वास्तविक और खतरनाक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। पहलगाम की घटना में एक हिंदू पर्यटक को इसलिए मारा गया क्योंकि वह धर्म से हिंदू' था।

यह केवल आतंकवाद नहीं, धर्म आधारित वैचारिक नफरत का चरम रूप है। यह घटना संकेत देती है कि भारत की विविधता को एकता में बदलने की हमारी कोशिशें अभी भी अधूरी हैं, और नफरत की जड़ें बहुत गहरी हैं। भारत के इस आधे मोर्चे पर राजनीति की भूमिका भी बेहद संदेहास्पद है। जहां सत्ता में आने के लिए नेताओं को राष्ट्रवाद का झंडा उठाना पड़ता है, वहीं वोट पाने के लिए वे समाज को बांटने वाले विमर्शों को बढ़ावा देते हैं। कभी अल्पसंख्यक तुष्टिकरण, कभी दलित आरक्षण की राजनीति, कभी क्षेत्रीय अस्मिता-इन सभी ने भारत की राष्ट्रीय पहचान को कमजोर किया है। राजनीतिक लाभ के लिए देश की एकता को दांव पर लगाना आत्मघाती है, लेकिन आज यही हो रहा है।

इस वैचारिक युद्ध का एक और चेहरा है-पानी, बिजली, संसाधनों और भाषाओं को लेकर क्षेत्रीय लड़ाइयाँ। क्या यह सोचने का विषय नहीं है कि एक ही देश के दो राज्य-हरियाणा और पंजाब-पानी के लिए एक-दूसरे को बाढ़ और सूखे में झोंकने लगे हैं? क्या यह भी वैचारिक युद्ध का ही हिस्सा नहीं है कि भारत के भीतर 'दूसरे राज्य से नफरत' की भावना पैदा की जाए? यही बात भाषाओं को लेकर भी है। हिंदी को थोपने के नाम पर दक्षिण में असंतोष, मराठी बनाम हिंदी, बंगाली बनाम असमिया-ये सब भारत की आत्मा के खिलाफ छेड़े गए 'आधे युद्ध' के उदाहरण हैं। आज जरूरत इस बात की है कि भारत के इस आधे मोर्चे को उतनी ही गंभीरता से लिया जाए जितनी कि सीमा पर हो रहे सैन्य संघर्ष को। देश की सुरक्षा केवल टैंकों और मिसाइलों से नहीं होती, बल्कि विचारों की स्पष्टता, सामाजिक समरसता और राष्ट्र के प्रति आस्था से होती है। हमें यह समझना होगा कि 'देश की आलोचना' और 'देशविरोध' में फर्क है, लेकिन यह फर्क तब खत्म हो जाता है जब आलोचना का उद्देश्य सुधार नहीं, विनाश हो।

भारत को इस मोर्चे पर जीतने के लिए केवल सैनिकों की नहीं, बल्कि शिक्षकों, लेखकों, पत्रकारों, कवियों, एक्टिविस्टों और आम नागरिकों की जरूरत है। हमें अपनी शिक्षा व्यवस्था को फिर से राष्ट्रनिर्माण की ओर मोड़ना होगा। हमें सोशल मीडिया पर राष्ट्र के पक्ष में भी एक वैचारिक मोर्चा खड़ा करना होगा। और सबसे महत्वपूर्ण, हमें राजनीति को मजबूर करना होगा कि वह देश की कीमत पर राजनीति न करे। जो लोग इस आधे मोर्चे को 'स्वतंत्रता की आवाज' समझते हैं, उन्हें यह भी समझना होगा कि स्वतंत्रता की पहली शर्त है-एकता। एकता के बिना आज़ादी केवल एक भ्रम है। जो राष्ट्र अपने भीतर के दुश्मनों को नहीं पहचान पाता, वह बाहरी दुश्मनों से कब तक लड़ेगा?

भारत की असली परीक्षा युद्ध भूमि में नहीं, विश्वविद्यालयों की कक्षाओं, मीडिया के पन्नों, सोशल मीडिया के पोस्टों और संसद की बहसों में है। यह परीक्षा इस बात की है कि क्या हम भारत को सिर्फ एक भूखंड मानते हैं या एक जीवंत चेतना। यह चेतना केवल तब जीवित रह सकती है जब हर नागरिक, हर छात्र, हर राजनेता और हर लेखक यह समझे कि भारत की विविधता उसकी शक्ति है, कमजोरी नहीं। इसलिए अब समय है इस आधे मोर्चे' को पूरी गंभीरता से लेने का। देश को टूटने से बचाने के लिए अब टैंकों से नहीं, विचारों से लड़ना होगा। और इस लड़ाई में हर भारतवासी एक सैनिक है-या तो राष्ट्र के पक्ष में, या राष्ट्र के खिलाफ।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

जश्न

प्रयागराज में ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना के समर्थन में मुस्लिमों ने जश्न मनाया।

पाक की बैठक में नवाज शरीफ के शामिल होने के बाद भारत के साथ अनौपचारिक संपर्क के प्रयास शुरू : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लाहौर/भाषा। ऐसे समय में जब पाकिस्तान का नागरिक और सैन्य नेतृत्व सैन्य संघर्ष के बीच भारत को जवाब देने पर जोर दे रहा है, पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ द्वारा नई दिल्ली के साथ तनाव को कम करने के लिए अनौपचारिक संपर्क को मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में शुक्रवार को यह जानकारी दी गयी।

सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख नवाज शरीफ बृहस्पतिवार देर शाम प्रधानमंत्री आवास पर हुई सुरक्षा बैठक में शामिल हुए और अपने छोटे भाई तथा मौजूदा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को भारत के साथ कूटनीतिक रूप से तनाव कम करने की सलाह दी।

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के जवाब में बुधवार को भारत द्वारा शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। आतंकी हमले के तार सीमा पार से जुड़े थे। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान ने 15 भारतीय शहरों पर हमला करने की असफल कोशिश की।

दैनिक समाचार पत्र 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने कहा, नवाज शरीफ चाहते हैं कि सरकार दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच शांति बहाल करने के लिए सभी उपलब्ध राजनयिक संसाधनों का उपयोग करे।

नवाज शरीफ ने कहा, मैं (भारत के खिलाफ) आक्रामक रुख अपनाने के पक्ष में नहीं हूं।

एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने कहा, नवाज शरीफ दोनों देशों के बीच तनाव कम करने के लिए लंदन से पाकिस्तान लौट आए हैं। वह पर्दे के पीछे से काम कर रहे थे... दोनों देशों के बीच अनौपचारिक संपर्क को मजबूत करने के लिये वह बृहस्पतिवार को (बैठक में शामिल हो कर) सामने आए।''

अखबार के मुताबिक नवाज शरीफ ने भारत-पाकिस्तान तनाव का आकलन करने के लिए प्रधानमंत्री आवास में बुलाई गई उच्च स्तरीय बैठक में हिस्सा लिया। अखबार ने बताया कि उनके पास कोई सरकारी विभाग नहीं है, इसलिए उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी की सरकार के प्रमुख की हैसियत से बैठक में हिस्सा लिया।

नवाज शरीफ 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान प्रधानमंत्री थे। इस बीच, शुक्रवार को नेशनल असेंबली ने सर्वसम्मति से भारत के प्रति पाकिस्तान की सैन्य प्रतिक्रिया का समर्थन किया और इसे राष्ट्रीय एकता का प्रदर्शन बताया।

'द न्यूज इंटरनेशनल' की खबर के अनुसार, विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों ने सशस्त्र बलों के समर्थन में एकजुटता दिखाई तथा देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए उनके दृढ़ कार्यों की सराहना की।

इससे पहले, पाकिस्तान ने शुक्रवार को भारतीय मीडिया में आई उन खबरों को खारिज कर दिया था कि उसने भारत में कई स्थानों पर हमले किए हैं। उसने कहा था कि ऐसे दावे 'पूरी तरह निराधार' हैं और 'दुष्प्रचार अभियान' का हिस्सा हैं।

विदेश कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि पाकिस्तान सतर्क है और शांति के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, लेकिन वह उकसाने, धमकाने या गुमराह करने के प्रयासों से नहीं डरेगा और आक्रामक कृत्यों का जवाब देने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार शेख हसीना की पार्टी पर प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रही

ढाका/भाषा। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शुक्रवार को कहा कि वह अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी 'अवामी लीग' पर प्रतिबंध लगाने के बारे में जल्द फैसला लेगी।

अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस के कार्यालय ने यह घोषणा ऐसे समय में की, जब छात्रों के नेतृत्व वाली नवगठित नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार देर रात उनके (यूनुस) आधिकारिक आवास के सामने धरना दिया और हसीना की पार्टी को भंग करने की मांग की।

एनसीपी नेतृत्व ने पिछले साल अवामी लीग सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन किया था, जिसके बाद हसीना को पांच अगस्त को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा और देश छोड़कर जाना पड़ा। इसके बाद यूनुस ने आठ अगस्त को अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार के रूप में पदभार संभाला था।

अंतरिम सरकार ने एक बयान में कहा, सरकार तानाशाही शासन और आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता के आरोपों के चलते अवामी लीग को भंग करने की विभिन्न राजनीतिक दलों, संगठनों और लोगों की मांग पर गंभीरता से विचार कर रही है।

बयान के मुताबिक, सरकार ने विभिन्न राजनीतिक दलों से संपर्क किया है और उनके साथ परामर्श करके जल्द निर्णय लिया जाएगा।

एनसीपी ने बृहस्पतिवार देर रात यूनुस के सरकारी आवास 'जमुना' के सामने एक अस्थायी मंच बनाकर धरना दिया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने वहीं पर जुमे की नमाज भी अदा की।

जमात-ए-इस्लाम, उसके छात्र संगठन इस्लामी छात्र शिबिर और हिफाजत-ए-इस्लाम जैसी इस्लामी पार्टियों और समूहों के नेता भी शुक्रवार को एनसीपी के धरने में शामिल हुए।

सरकार की ओर से जारी बयान में सभी से फैसला होने तक संयम बनाए रखने का आग्रह किया गया है। इसमें कहा गया है कि सरकार ने अवामी लीग के छात्र संगठन को भी भंग कर दिया है, जिसे उसने 'आतंकवादी छात्र लीग' करार दिया था। एनसीपी नेता सरजिस आलम ने धरने में शामिल लोगों को संबोधित करते हुए कहा, हमारा आंदोलन शुरू हो गया है। यह अभियान एक दिन या एक महीने तक भी चल सकता है।

सोनू सूद को मिलेगा ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद को मानवीय कार्यों के लिए प्रतिष्ठित ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड से सम्मानित किया जायेगा। सोनू सूद लोगों की मदद के लिए हमेश तत्पर रहते हैं। कोरोना काल के दौरान सोनू सूद ने देशभर में लोगों की मदद की थी। सोनू सूद ने अपने फाउंडेशन सूद चैरिटी के माध्यम से देशभर में लोगों की मदद की थी।

सोनू सूद इस साल 31 मई को हैदराबाद में होने वाले मिस वर्ल्ड के ग्रैंड फिनाले में बतौर जज नजर आने वाले हैं। इस इवेंट में सोनू सूद को उनके मानवीय कार्यों के लिए प्रतिष्ठित ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड दिया जायेगा। सोनू सूद ने अवॉर्ड के ऐलान के बाद अपनी खुशी जाहिर करते कहा,मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन से ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड प्राप्त करना बहुत ही विनम्र अनुभव है। यह हमारे प्रयासों के पीछे के उद्देश्य को मजबूत करता है। जरूरतमंदों को आशा, समर्थन और गरिमा प्रदान करना मैं इस मान्यता को हर वॉलंटियर, सपोर्टर और उन सभी के साथ साझा करता हूं जिनके जीवन को हमने सूद चैरिटी फाउंडेशन के माध्यम से छुआ है। मुझे यह घोषणा करते हुए भी गर्व हो रहा है कि मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन और सूद चैरिटी फाउंडेशन ने कैंसर मुक्त दुनिया के लिए जागरूकता फैलाने के लिए एक साथ काम करने का निर्णय लिया है. यह साझा प्रतिबद्धता संदेश को बढ़ाने और दुनिया भर में लाखों लोगों को आशा देने में मदद करेगी।

कंगना रनौत बनेंगी हॉलीवुड की 'हॉरर क्वीन', 'ब्लेस्ड बी द एविल' से करेंगी डेब्यू

मुंबई/एजेन्सी

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कंगना रनौत के करियर ने नया मोड़ ले लिया है। वह अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी अपनी पहचान बनाने जा रही हैं। कंगना, हॉलीवुड में डेब्यू करेंगी। उन्हें हॉलीवुड की हॉरर ड्रामा फिल्म 'ब्लेस्ड बी द एविल' में लीड रोल मिला है। फिल्म की कहानी एक ईसाई कपल की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी संतान पैदा होने से पहले ही मर जाती है। इस दुख से उबरने के लिए वे एक सुनसान और पुराने फार्म हाउस में जाते हैं, जो पहले से ही काली और रहस्यमयी घटनाओं से जुड़ा हुआ होता है। कपल को धीरे-धीरे बुरी आत्मा और शैतानी ताकत महसूस होने लगती है। वैरायटी डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म का निर्माण प्रोडक्शन हाउस लायंस मूवीज के बैनर तले होगा। इसमें कंगना 'टीन वुल्फ' स्टार टायलर पोसी और स्कारलेट स्टैलोन के साथ काम करेंगी।

फिल्म की शूटिंग न्यूयॉर्क में शुरू होने जा रही है। फिल्म निर्माताओं ने कहा कि अमेरिका में शूटिंग करने का फैसला इसलिए लिया गया, ताकि वे किसी भी परेशानी या रुकावट से बच सकें, जो हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए इंडस्ट्री टैरिफ्स की वजह से हो सकती है। बता दें कि हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के बाहर बनने वाली सभी फिल्मों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। उन्होंने वाणिज्य विभाग और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) को अमेरिका के बाहर बनाई गई सभी फिल्मों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए कहा था। राष्ट्रपति का कहना है कि अमेरिका में फिल्म उद्योग तेजी से खत्म हो रहा है। इसकी वजह यह है कि दूसरे देश फिल्म निर्माताओं और स्टूडियो को आकर्षित करने के लिए प्रोत्साहन दे रहे हैं। टेलिंग पॉन्ड के निर्देशक अनुराग रुद्र ने फिल्म की कहानी गाथा तिवारी के साथ मिलकर लिखी है। गाथा तिवारी लायंस मूवीज की अध्यक्ष और संस्थापक हैं।

मेट गाला के ग्लोबल 'टॉप की वॉयसेज' लिस्ट में कियारा आडवाणी बनीं नंबर वन

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी 'मेट गाला' के ग्लोबल 'टॉप की वॉयसेज़' लिस्ट में पहले नंबर पर रही। मेट गाला 2025 ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया। जहां एक ओर शाहरुख़ ख़ान ने अपने बहुप्रतीक्षित मेट गाला डेब्यू से सुर्खियां बटोरीं और रिहाना ने हमेशा की तरह फैशन स्टेटमेंट पेश किया, वहीं दूसरी ओर कियारा ने अपने पहले ही मेट गाला में सबका ध्यान खींच लिया और सबसे ज्यादा चर्चा में रहीं। मां बनने की खुशी के साथ कियारा ने 'ब्लू कार्पेट' पर ब्रेवहार्ट्स नाम की एक दमदार कुट्यूर लुक में डेब्यू किया, जिसे भारतीय फैशन डिज़ाइनर गौरव गुप्ता ने डिज़ाइन किया था। काले रंग के इस स्कल्पचरल गाउन में एंगल्ड स्लीव्स, घुंघरुओं और क्रिस्टल से सजी हुई चमकदार ब्रैस्टप्लेट थी, जो कियारा के बेबी बंप को खूबसूरती से फ्रेम कर रही थी। इस आउटफिट का सबसे अनोखा हिस्सा था एक मेटालिक अंबिलिकल कॉर्ड जो 'मदर हार्ट' और 'बेबी हार्ट' को जोड़ता था। फैशन शो के अगले ही दिन, सोशल एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म लेफ्टी ने मेट गाला 2025 के सबसे प्रभावशाली चेहरों की सूची जारी की। कियारा इस ग्लोबल 'टॉप की वॉयसेज़' लिस्ट में पहले स्थान पर रहीं, जिनका अर्न्ड मीडिया वैल्यू 15.3 मिलियन डॉलर रहा। काइली जेनर 15.2 मिलियन डॉलर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि लुईस हैमिल्टन, फ्रीन और हेली बीबर ने टॉप 5 में जगह बनाई। कियारा की यह सफलता सिर्फ पहुंच की नहीं, बल्कि प्रभाव की कहानी थी। उनका सोशल मीडिया एंगेजमेंट रेट 3.5 प्रतिशत रहा जो काइली जेनर के 0.3 प्रतिशत की तुलना में कहीं ज्यादा है। यह साबित करता है कि कियारा का डेब्यू न सिर्फ खूबसूरत था, बल्कि गहराई से जुड़ाव पैदा करने वाला भी।

फिल्म 'रेड 2' ने पहले सप्ताह में 90 करोड़ की कमाई की

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के सिंघम स्टार अजय देवगन की फिल्म रेड 2 ने भारतीय बाजार में पहले सप्ताह में 90 करोड़ की कमाई कर ली है। फिल्म रेड 2 में अजय देवगन की मुख्य भूमिका है। राजकुमार गुप्ता के निर्देशन में बनी यह फिल्म वर्ष 2018 में प्रदर्शित फिल्म रेड की सीक्वल है। फिल्म रेड 2 में अजय देवगन, रितेश देशमुख ,वाणी कपूर, रजत कपूर, सुप्रिया पाठक, अमित सियाल और अन्य कलाकार भी हैं। इस फिल्म की कहानी इनकम टैक्स अफसर अमय पटनायक (अजय देवगन) के दादाभाई (रितेश देशमुख) नामक व्यक्ति के ब्रष्टाचार को रोकने पर केंद्रित है। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म 'रेड 2' ने पहले दिन भारतीय बाजार में 19.25 करोड़ रुपये की कमाई की। वहीं, दूसरे दिन फिल्म ने 12 करोड़, तीसरे दिन 18 करोड़,चौथे दिन 22 करोड़, पांचवे दिन 7.5 करोड़ और छठे दिन 07 करोड़ का कारोबार किया। वहीं, अब सातवें दिन कलेक्शन भी सामने आ गया है।

सैकनिल्क की अर्ली रिपोर्ट के अनुसार फिल्म रेड 2 ने 4.52 करोड़ का कारोबार किया है। इस तरह फिल्म रेड 2 भारतीय बाजार में सात दिनों में 90 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर चुकी है। फिल्म रेड 2 का निर्माण टी-सीरीज़ और पैनोरमा स्टूडियो के बैनर तले भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार किया है। उम्मीद की जा रही कि फिल्म रेड 2 ,जल्द ही 100 करोड़ रुपये की कमाई कर लेगी।

तन्वी द ग्रेट में ब्रिगेडियर जोशी का किरदार निभाएंगे जैकी श्राफ

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार जैकी श्राफ, अनुपम खेर की फिल्म तन्वी द ग्रेट में ब्रिगेडियर जोशी का किरदार निभाते नजर आयेंगे। अनुपम खेर निर्देशित फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिये तैयार है।

जैकी श्रॉफ इस फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आयेंगे। अनुपम खेर ने जैकी श्राफ के फर्स्ट लुक पोस्टर के साथ उनके किरदार से भी पर्दा उठाया है। अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर जैकी श्रॉफ के पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा, 'तन्वी द ग्रेट' के एक्टर्स मेरे दोस्त जैकी श्रॉफ मेरे भाई जैसे हैं। हमने न केवल कई फिल्मों में साथ काम किया, बल्कि हम रिश्तेदार भी हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि उनकी पत्नी आयशा श्रॉफ मुझे 30 साल से भी ज्यादा समय से राखी बांधती आ रही हैं। जैकी के पास गोल्डन हार्ट है। उनका दूसरा नाम 'प्यार' कह सकते हैं। अनुपम खेर ने बताया, ब्रिगेडियर जोशी का किरदार भारतीय सेना अधिकारी की तरह है। वह मजबूत, निर्णायक और फिर विनम्र है। उनके किरदार को वर्षों याद रखा जाएगा! निस्वार्थ दोस्ती और शानदार अभिनय के लिए धन्यवाद श्रॉफ। फिल्म तन्वी द ग्रेट में ऑस्कर विजेता एमएम कीरावानी ने संगीत दिया है। इस फिल्म का निर्माण अनुपम खेर स्टूडियोज ने एनएफडीसी (राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम) के साथ मिलकर किया है।

तमन्ना भाटिया की 'ओडेला 2' की ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एंट्री

मुंबई/एजेन्सी

तमन्ना भाटिया की फिल्म 'ओडेला 2' 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म से निर्माताओं को काफी उम्मीदें थीं कि इसका कलेक्शन दमदार होगा, लेकिन यह फिल्म दर्शकों को कुछ खास पसंद नहीं आई और बॉक्स ऑफिस पर घाटे में रही। अब यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक दे रही है। फिल्म को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया है। अमेजन प्राइम पर यह हिंदी और तमिल भाषा में उपलब्ध है। अमेजन प्राइम ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर की। उन्होंने अपने आधिकारिक 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'वह प्रचंड है, वह अजेय है, वह शिव शक्ति है।' पोस्ट के आगे 'ओडेला 2 ऑन प्राइम' का हैशटैग भी जोड़ा गया। फिल्म में हेबाह पटेल, वशिष्ठ एन सिम्हा, सुरेंद्र रेड्डी, नागा महेश, वुवा, वामशी, भूपाल, गगन विहारी और पूजा रेड्डी ने भी अहम भूमिका निभाई है। वहीं निर्देशन की कमान अशोक तेजा ने संभाली है। इसे संपत नंदी ने लिखा है।

'ओडेला 2' साल 2022 में आई फिल्म 'ओडेला रेलवे स्टेशन' का सीक्वल है, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। फिल्म में तमन्ना भाटिया एक शिव भक्त की भूमिका में हैं, जो बुराई का सफाया करती हैं। फिल्म की कहानी ओडेला नामक एक पिछड़े गांव की है। यह गांव अपने रहस्यमय और आध्यात्मिक माहौल के लिए जाना जाता है, लेकिन क्रूर हत्याएं इस शांतिपूर्ण गांव को हिला देती हैं। 'ओडेला रेलवे स्टेशन' फिल्म की तरह, गांव वालों का मानना है कि कुछ बुरी चीज उनके समुदाय को सता रही है। फिल्म के पोस्टर ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा था, जिसमें तमन्ना का भयंकर रूप देखने को मिला। तमन्ना के चेहरे पर गहरे घाव और खून के निशान देखे गए।

इसके साथ ही उनका लुक काफी गंभीर भी नजर आया। बैकग्राउंड में वाराणसी की भी झलक देखने को मिली। वहीं फिल्म के ट्रेलर की बात करें तो 2 मिनट 48 सेकंड के ट्रेलर की शुरुआत एक व्यक्ति की आवाज से होती है। तमन्ना, गांव वालों से कहती हैं कि खड़े रहने के लिए भू माता की जरूरत है और जिंदा रहने के लिए गौ माता की। जीने के लिए इनकी हत्या मत करो, गौमूत्र बेचकर भी जीवन जी सकते हो।

'आजा वे' के समय जैसा लड़का था, आज भी वैसा ही हूं: राजकुमार राव

नई दिल्ली/भाषा। राजकुमार राव के जेहन में एफटीआईआई का प्रथम वर्ष का छात्र रहते हुए गायक सोना महापात्रा के आजा वे संगीत वीडियो में काम करने की यादें आज भी ताजा हैं। हालांकि वह एक बहुमुखी प्रतिभा वाले अभिनेता के रूप में अपनी पहचान बना चुके हैं, लेकिन उनका कहना है कि वह अब भी उसी लड़के की तरह हैं जो पहली बार उस संगीत वीडियो के जरिये कैमरे के सामने आने को लेकर रोमांचित था। यह गीत 2006 में महापात्रा की एल्बम सोना के एक भाग के रूप में जारी किया गया था, जिसमें राव गांव के एक सख्त स्कूल शिक्षक की भूमिका में नजर आए थे। हालांकि इस एल्बम में बाद में वह छात्रों और गांव के साथियों के साथ डांस करते हुए भी नजर आए थे। राव (40) ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, मैं अब भी वही लड़का हूं जो 'आजा वे' गाने में था...मैं उसमें एक स्कूल शिक्षक था। वह स्कूली शिक्षक की भूमिका थी, लेकिन मैंने सोचा कि कुछ अलग करते हैं।

वीडियो में अकेले वह नहीं हैं। पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) में राव के सहपाठी रहे विजय वर्मा और जयदीप अहलावत भी क्रमशः नाई और साधु की भूमिका में दिखाई दे रहे हैं। राव ने कहा, इसमें मेरे लगभग सभी सहपाठी हैं। जयदीप और विजय भी हैं। बहुत सारे लोग हैं। पूरी क्लास वहां थी क्योंकि हमारी एक सीनियर दीप्ति वीडियो शूट कर रही थीं। अभिनेता ने कहा, उसने कहा, 'दोस्तों, हम यह वीडियो बना रहे हैं। क्या आप इसमें अभिनय करना चाहते हैं?' हम सभी उत्साहित हो गए क्योंकि हम तो प्रथम वर्ष के छात्र थे। हमने कहा, 'हां, जरूर। अभिनेता ने कहा कि अपने सहपाठियों के साथ काम करना बेहद मजेदार था। उन्होंने कहा, क्लास में हम 20 लोग थे और अपने सहपाठियों के साथ शूटिंग करना बहुत मजेदार था।

एफटीआईआई से स्नातक करने के बाद, राव को 2010 में दिबाकर बनर्जी की फिल्म लव सेक्स और धोखा से फिल्मों में मौका मिला, इसके बाद उन्होंने रागिनी एमएमएस, शैतान, गैंग्स ऑफ वासेपुर और तलाश जैसी फिल्मों में काम किया। हंसल मेहता की 2012 में आई फिल्म शाहिद से अंततः लोगों का ध्यान उनकी ओर गया और उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। तब से, अभिनेता ने अलीगढ़, बरेली की बर्फी, ट्रैप्ड, न्यूटन, बधाई दो, और स्त्री जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया। एक कलाकार के रूप में अपनी प्रगति के बारे में बात करते हुए राव ने कहा कि वह स्वाभाविक रूप से एक कलाकार के रूप में बेहतर हुए हैं। उन्होंने कहा, मैं निश्चित रूप से परिपक्व हो गया हूं। उम्र के साथ एक निश्चित परिपक्वता आती है और आपके पास कई सालों का अनुभव होता है। एक व्यक्ति के रूप में, कुछ भी नहीं बदला है। मैं भौतिक चीजों को नहीं गिन रहा हूं क्योंकि वे मायने नहीं रखतीं।

अभिनेता की अगली फिल्म रोमांटिक-कॉमेडी भूल चूक माफ़ है, जिसमें उनके साथ वामिका गाबी भी हैं। वाराणसी की पृष्ठभूमि पर बनी इस फिल्म में राव ने रंजन की भूमिका निभाई है, जो अपनी प्रेमिका तितली (गाबी) के साथ शादी के दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। अभिनेता ने कहा कि अगर उन्हें कोई फिल्म देखनी हो, तो वह कुछ हल्की-फुल्की और हास्यपूर्ण फिल्म देखना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि 'जाने भी दो यारो' वह एक फिल्म हो सकती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | शनिवार | 10-05-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

स्वाभिमान गिरवी रखकर प्राप्त किया हुआ सोना, चांदी, महल भी मिट्टी के समान है और स्वाभिमान की सूखी रोटी भी पांच पकवान से बढ़कर है। जिस व्यक्ति के जीवन में देश के प्रति स्वाभिमान नहीं होता वह जिंदा भी मुर्दे के समान है। स्वाभिमान ही धर्म का प्रवेश द्वार है, इसके बिना कितना ही दान, त्याग, तपस्या की जाएं, सब व्यर्थ हैं। यहां तक कि यदि संत भी बन जाए तो भी विश्व के किसी धर्म में प्रवेश नहीं हो सकता है। विश्व के सभी महापुरुषों ने स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना तन, मन, धन सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

कैंसर जागरूकता अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु के विजयनगर में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा कैंसर जागरूकता अभियान के तहत गुरुवार को कैंसर रोकथाम हेतु जागरूकता फैलाने के लिए अकम्मा देवी आश्रम, रेस्टोरेंट्स दुकानों आदि जगह जाकर मंडल की सदस्यों ने लोगों को कैंसर से बचने के टिप्स देते हुए बताया कि भोजन को न्यूजपेपर, फॉयल पेपर इत्यादि में नहीं लपेटना चाहिए। यह हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं।

इसके लिए उन्होंने रेस्टोरेंट, दुकानों में बटर पेपर का वितरण करते हुए बताया कि खाद्य पदार्थों की पैकिंग में फॉयल पेपर आदि का उपयोग न करते हुए बटर पेपर का अधिक से अधिक उपयोग करें। इस अभियान में अध्यक्ष मंजु गादिया, मंत्री दीपिका गोखरू एवं अन्य सदस्याएं उपस्थित थीं।

इंडियन बैंक और आईआईटी मद्रास द्वारा 'हैकाथॉन 2025' का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। इंडियन बैंक तथा आईआईटी मद्रास द्वारा फिनटेक और साइबर सुरक्षा की थीम पर इनोविजन हैकाथॉन 2025 – इनोवेट टू एलिवेट के विजेताओं के लिए एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया यह आयोजन भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग द्वारा संचालित एक पहल का हिस्सा था जो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को आईआईटी और विश्वविद्यालयों जैसे प्रमुख संस्थानों के साथ मिलकर हैकथॉन आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। कार्यक्रम का लक्ष्य बैंकिंग क्षेत्र के लिए फिनटेक और साइबर सुरक्षा में नवाचार को बढ़ावा देना तथा उद्यमशीलता का समर्थन करना और व्यावहारिक समाधान विकसित करना है।

इस कार्यक्रम में इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक तथा मुख्य कार्यकारी बिनोद कुमार तथा आईआईटी मद्रास केनिदेशक डॉ. प्रो. कामकोटि वी उपस्थित थे। इसके साथ ही अन्य गणमान्य व्यक्तियों में वित्त मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त निदेशक, डीएफएस सुश्री कीर्ति, आरबीआई के मुख्य महाप्रबंधक सुवेन्दु पति, इंडियन बैंक के कार्यकारी निदेशक महेश कुमार बजाज, भारतीय बैंक संघ के वरिष्ठ सलाहकार श्रीनिवास राव, सीएएमएस के प्रबंध निदेशक अनुज कुमार और एनपीसीआई के मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी बेंजामिन एम्ब्रोस भी उपस्थित रहे।

हैकाथॉन की शुरुआत फरवरी महीने में इंडियन बैंक और आईआईटी मद्रास के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर के बाद की गई थी। यह आईआईटी मद्रास के छात्रों, शोधार्थियों के लिए खुला था, जिन्हें वास्तविक दुनिया की बैंकिंग चुनौतियों के लिए अभिनव समाधान प्रस्तावित करने के लिए आमंत्रित किया गया था। इस इनोविज़न हैकाथॉन में आईआईटी मद्रास की कुल 33 टीमों ने हिस्सा लिया था जिनमें से 12 फिनटेक श्रेणी में और 9 साइबर सिक्यूरिटी श्रेणी में शॉर्टलिस्ट किया गया इन शॉर्टलिस्ट की गई टीमों को इंडियन बैंक और आईआईटी मद्रास दोनों से विशेषज्ञ सलाहकार दिए गए, जिन्होंने उन्हें अपने विचारों को वास्तविक दुनिया की बैंकिंग चुनौतियों को हल करने वाले कार्यशील मॉडल या प्रोटोटाइप में बदलने की प्रक्रिया के माध्यम से छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान किए।

हैकथॉन पर विस्तार से बात करते हुए आईआईटी मद्रास के निदेशक डॉ. (प्रो.) कामकोटि वी ने बेहतर डेटा गोपनीयता और डेटा सुरक्षा पर जोर दिया और साथ ही, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी ऐप्स को उपयोगकर्ता की गोपनीयता पर ध्यान देना चाहिए। कार्यक्रम में बोलते हुए, इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिनोद कुमार ने कहा, इनोविज़न हैकथॉन हमारे लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने आगे कहा कि यह हैकथॉन केवल एक प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि एक ऐसा मंच है जो हमारे व्यापक राष्ट्रीय लक्ष्य हमारे युवाओं की क्षमता का दोहन करने और आत्मनिर्भर भारत को आगे बढ़ाने के साथ समर्पित है।

सेवा कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के अलसूर में श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में अलसूर महिला मंडल ने संघ अध्यक्ष आशा बाई बोहरा के नेतृत्व में शासन स्थापना दिवस के संदर्भ में शुक्रवार को सेवा आयोजन के अंतर्गत तपती गर्मी में आम नागरिकों को छाछ, और गुड़ पानी, शीतल पेय पिलाया गया। महावीर भवन के मुख्य द्वार पर आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत श्रावक संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने की। इस अवसर पर मंजू बाई लोढ़ा, इंदिरा बाई गादिया, कंचन बाई गादिया, सुनीता चोरड़िया, वसन्ता ख़ाबिया, किरण बाई गादिया एवं सुनील कुमार कावड़िया उपस्थित थे। देश की सेना की अनुमोदना में जय हिंद के नारों के साथ सेवा आयोजन संपन्न हुआ।

खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी पर थोक विक्रेताओं, व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। सरकार ने व्यापारियों और थोक विक्रेताओं को आवश्यक खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी न करने की चेतावनी देते हुए शुक्रवार को कहा कि देश में घरेलू मांग की पूर्ति के लिए पर्याप्त खाद्य भंडार मौजूद है। सरकारी की यह चेतावनी ऐसे समय में आई है, जब भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष बढ़ गया है और पाकिस्तान सीमावर्ती शहरों में बिना उकसावे के गोलाबारी और ड्रोन हमले कर रहा है।

केंद्रीय खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, देश में खाद्य भंडार के बारे में दुष्प्रचार फैलाने वाले संदेशों पर विश्वास न करें। हमारे पास पर्याप्त खाद्य भंडार है, जो आवश्यक मानदंडों से कहीं अधिक है। ऐसे संदेशों पर ध्यान न दें। जोशी ने कहा, आवश्यक वस्तुओं के व्यापार में संलग्न व्यापारी, थोक विक्रेता, खुदरा विक्रेता या व्यावसायिक संस्थाओं को कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करने का निर्देश दिया जाता है। जमाखोरी या भंडारण में लिप्त किसी भी व्यक्ति पर आवश्यक वस्तु अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा चलाया जाएगा।

भारत ने दो सप्ताह पहले पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले का बदला लेने के लिए बुधवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और पाकिस्तान में नौ जगहों पर हमला किया, जो दशकों में पाकिस्तान के अंदर सबसे बड़ा हमला था।

जोशी ने एक दिन पहले भी लोगों से आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी से जुड़ी अफवाहों पर ध्यान न देने का आग्रह करते हुए कहा था कि देश में सभी आवश्यक वस्तुओं का पर्याप्त से अधिक स्टॉक है। उन्होंने कहा था कि किसी भी तरह की कोई कमी नहीं है और किसी को भी ऐसी अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

इस बीच, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को देश में खाद्यान्न भंडार की स्थिति के साथ आगामी खरीफ बुवाई सत्र की तैयारियों की समीक्षा की। खरीफ बुवाई सीजन मानसून की बारिश के साथ शुरू होगा। कृषि मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे संघर्ष के बीच वे सीमावर्ती राज्यों में किसानों को बुवाई कार्यों में सहायता करने के लिए तैयार रहें, ताकि उन्हें कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। चौहान ने कहा कि यदि गांवों को खाली कराने की जरूरत पड़ी तो वह जम्मू-कश्मीर और पंजाब जैसे सीमावर्ती राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों से बात करेंगे।

खाद्य आपूर्ति की स्थिति के बारे में विस्तार से बताते हुए खाद्य मंत्रालय ने कहा कि वर्तमान चावल का स्टॉक 356.42 लाख टन है, जबकि बफर मानक 135 लाख टन है। इसी तरह, गेहूं का स्टॉक 383.32 लाख टन है, जबकि बफर मानक 276 लाख टन है। इसके अलावा, भारत में वर्तमान में लगभग 17 लाख टन खाद्य तेल का स्टॉक है।

मौजूदा फसल सत्र 2024-25 (जुलाई-जून) में सरकार ने 34 करोड़ 15.5 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य रखा है। खाद्यान्नों में धान, गेहूं, मोटे अनाज और दालें शामिल हैं। खाद्यान्न खरीद और वितरण की नोडल एजेंसी भारतीय खाद्य निगम के पास इस साल एक अप्रैल तक एक करोड़ 35.5 लाख टन गेहूं का भंडार था, जबकि बफर स्टॉक के लिए जरूरत 74.6 लाख टन की थी।

महाश्रमण अभिवंदना पर भक्तिसंध्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद एचबीएसटी हनुमंतनगर द्वारा आयोजित महाश्रमण अभिवंदना एक शाम, ज्योतिचरण के नाम भक्ति संध्या का आयोजन साध्वीश्री संयमलताजी के पावन सान्निध्य में हनुमंतनगर स्थित तेरापंथ भवन में आयोजित हुई। भक्ति संध्या की शुरुआत साध्वीश्री द्वारा नमस्कार महामंत्र के मंगल मंत्रोच्चार द्वारा हुई। परिषद के अध्यक्ष कमलेश ने भक्ति संध्या में पधारे सभी धर्मानुरागियों का स्वागत किया।

साध्वीश्री मार्धवश्रीजी ने युवाओं को दिए अपने उद्बोधन में कहा कि युवा वर्ग इतना आ रहा है जो महाश्रमण की कृपा है। साध्वीश्री रौनकप्रभाजी ने साध्वीश्री संयमलताजी द्वारा रचित महाश्रमणजी पर सुमधुर गीतिका का संगान किया। मोहित दक द्वारा चरणों में वंदन करता है जन-जन जैसे बहुत से मनमोहक सुमधुर गुरुदेव आचार्यश्री महाश्रमणजी पर रचित गीतिकों की प्रस्तुति दी। तेरापंथ युवक परिषद द्वारा संचालित महाश्रमण सुर संगम भजन मंडली सहसंयोजक सुरेश कोठारी, विक्रम पुगलिया, विक्रम दुगड़, उपाध्यक्ष प्रथम राहुल मेहता एवं द्वितीय देवेंद्र आंचलिया, संगठन मंत्री संदीप बाबेल अपनी सुमधुर गीतिकाओं से वातावरण को भक्तिमय बनाया।

इस अवसर पर सभा अध्यक्ष गौतम दक, सभा मंत्री हेमराज मांडोत, महिला मण्डल के पूर्व अध्यक्ष मंजू दक, तेयुप सहमंत्री प्रथम नवरतन बोल्या, महावीर देरासरिया, किशोर मण्डल संयोजक दिनेश धोका उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार परिषद के मंत्री संदीप चौधरी ने किया।

निपाह : केरल में छह संदिग्ध रोगियों की जांच रिपोर्ट 'निगेटिव', संक्रमित व्यक्ति की हालत गंभीर

मलप्पुरम। केरल सरकार ने शुक्रवार को कहा कि मलप्पुरम जिले में निपाह वायरस के मरीज के संपर्क में आने के बाद जिन छह लोगों में इस रोग के लक्षण दिखे थे, उन सभी की जांच रिपोर्ट 'निगेटिव' आई है। यह खबर राहत भरी है, हालांकि मूल मरीज की हालत गंभीर बनी हुई है। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे जिले में सख्त निवारक उपाय जारी रहेंगे।

उन्होंने पहले से लागू उपायों की समीक्षा के लिए मलप्पुरम जिलाधिकारी कार्यालय में एक उच्च स्तरीय कोर कमेटी की बैठक की अध्यक्षता की। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, संक्रमित रोगी के संपर्क में आए कुल 49 लोग निगरानी में हैं, जिनमें से पांच लोगों को हल्के लक्षण दिखाई देने पर मंजेरी मेडिकल कॉलेज के 'पृथक वार्ड' में भर्ती कराया गया है।

फिलहाल पेरिंथलमन्ना अस्पताल में भर्ती एर्नाकुलम की एक नर्स भी पृथकवास में है। उनके नमूने परीक्षण के लिए भेजे गए थे और सभी परिणाम नेगेटिव' आए हैं। निगरानी में रखे गए 49 लोगों में से 12 आपस में रिश्तेदार हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इसमें वलनचेरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के तीन लोग, वलनचेरी क्लिनिक का एक व्यक्ति, पेरिंथलमन्ना अस्पताल के 25 लोग, प्रयोगशालाओं के दो और मेडिकल स्टोर के दो लोग शामिल हैं। इसके अलावा, एहतियात के तौर पर कम जोखिम वाले चार लोगों की भी निगरानी की जा रही है।

मंत्री जॉर्ज ने जिलाधिकारी और जिला चिकित्सा अधिकारी को स्वास्थ्य विभाग के साथ सहयोग करने में विफल रहने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम और सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के केम्पापुरा अग्रहारा में श्री बंदेमहाकाली देवी का महोत्सव श्री सिद्धिविनायक फ्रेंड्स एसोसिएशन और डॉ. राजकुमार फैन्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में मारुति मेडिकल्स के प्रमुख व गौसेवक महेन्द्र मुणोत ने भाग लिया। उन्होंने मंदिर में जाकर देवी की पूजा की। उन्होंने जरूरतमंद बच्चों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कविता

लफ्ज़ों में ढलती हूं

मैं ही क्यों हर बार लफ़्ज़ों में ढलती हूं।
तेरी ख़ामोशियों में भी लफ्ज़ ढूँढ़ती हूँ।।
हर बेरुख़ी को भी मुस्कुरा कर सहती हूँ,
क्या सिर्फ़ मैं जबरदस्ती करती हूँ ?

तू जब चाहे बात कर ले,
मैं तो हर पल तैयार रहती हूँ।
तेरे लिए सीमित हो गई अब मैं,
या जो कभी होने की वजह थी,
उसकी सजा मैं आज भुगतती हूँ?

मैंने तो साझा हर जज़्बात किया तुमसे,
शायद मुझे वक़्त की भीड़ समझ लिया।
तेरे लबों पर और लोग हँसते हैं,
बस ख़ुशियों में शामिल होने को मैं तरसती हूँ।

जिससे गुज़र भूल गया तू कब का ,
क्या तुझे वो एक राह सी लगती हूं?
मेरे ख्याल ओ जज़्बात बदले नहीं हैं रंजना,
घूम आ दुनिया मैं तेरे इंतजार में ठहरती हूं !

रंजना शर्मा

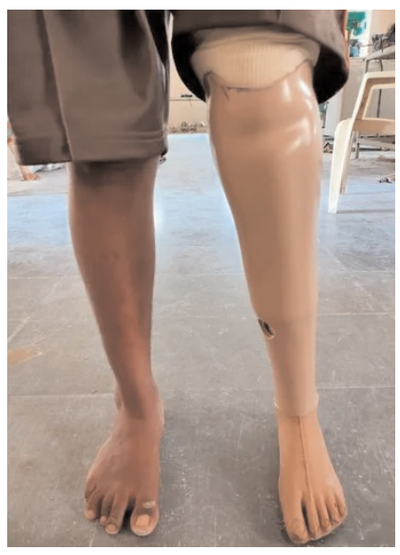

निःशुल्क कृत्रिम पांव शिविर आज से

धारवाड़/दक्षिण भारत । लायंस क्लब धारवाड़ एवं आल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर हुब्बल्ली के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल निःशुल्क कृत्रिम पाँव शिविर का आयोजन 10 मई को किया जा रहा है। यह शिविर लायंस स्कूल, केनरा बैंक के पास, नारायणपुर, धारवाड़ में आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर के आयोजन का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग लोगों को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी जीवन जीने में मदद करने का है। इस शिविर में राज्य के अलग-अलग जिलों के 25 दिव्यांगों को कृत्रिम पैर लगाए जाएंगे।

आध्यात्मिक मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु के वेपमपट्ट ग्राम स्थित सुमंगली महल में शुक्रवार को युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के शिष्य मुनिश्री दीप कुमारजी एवं शिष्या साध्वीश्री उदितयशाजी का अध्यात्मिक मिलन हर्षोल्लास के साथ हुआ। इस अवसर पर चेन्नई और तिरुवल्लूर के श्रावक-श्राविकाएं भी उपस्थित थे। मुनिश्री दीप कुमारजी ने साध्वीश्रीजी के विहार और स्वास्थ्य की सुखपृछा की एवं चातुर्मास के लिए आध्यात्मिक मंगलकामना की। साध्वीश्री उदियशाजी ने भी मुनि श्री के प्रति मंगलभावना व्यक्त करते हुए चातुर्मास के प्रति आध्यात्मिक मंगलकामना की।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.